सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

नायब सैनी की निगरानी में होगा..... पेज: 6

ओटीटी थिएटर फिल्म तिनों मिडिया के ... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 35 | बुधवार 06 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

लॉजिस्टिक पार्क में आग से तीन गोदाम खाक, करोड़ों के नुकसान की आशंका

-आग बुझाने में 25 दमकल गाड़ियां और 100 से ज्यादा टैंकर पानी लगा

जबलपुर (एजेंसी)। कटंगी बायपास स्थित लॉजिस्टिक पार्क में देर रात लगी भीषण आग से इलाके में हड़कंप मचा गया। आग की लपटें करीब तीन किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं। गोदामों में रखे खाद्य तेल, चावल, दाल और अन्य एफएमसीजी सामान ने आग को और भड़का दिया, जिससे देखते ही देखते तीन बड़े वेयरहाउस इसकी चपेट में आ गए। इस घटना में करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग की सूचना मिलते ही प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। आग पर काबू पाने के लिए चार थानों की पुलिस, 25 से ज्यादा दमकल वाहन और 100 से ज्यादा पानी के टैंकर लगाए गए। घंटों की मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका। इस घटना ने न केवल औद्योगिक सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि लॉजिस्टिक हब में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जरूरत भी उजागर कर दी है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक रात करीब 10:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट को कारण माना जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। एक छोटी चिंगारी ने पूरे गोदाम को चपेट में ले लिया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे क्षेत्र को घेर लिया, ताकि कोई जनहानि न हो। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। गोदाम में बड़ी मात्रा में खाद्य तेल, चावल, दाल और अन्य किराना सामान रखा था। तेल की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैली और आसपास के तीन गोदाम भी इसकी चपेट में आ गए। पार्सल के लिए रखा सामान भी पूरी तरह जल गया। इस लॉजिस्टिक पार्क में कई कंपनियों का सामान रखा था। आग में इन कंपनियों के पार्सल और स्टॉक को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि सटीक नुकसान का आंकलन अभी नहीं लगाया जा सका है। नगर निगम के साथ रक्षा संस्थानों की टीम भी मौके पर पहुंची। करीब 4 से 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, यूपी पुलिस के 5 जवानों की मौत

-ओवरटेक के दौरान स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर टकराई

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे (केएमपी एक्सप्रेस-वे) पर मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के पांच जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब सुबह 10 बजे हुआ, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक स्कॉर्पियो कार पलवल की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने चल रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत-बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में शव बुरी तरह फंस गए थे, जिन्हें बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। एंबुलेंस की मदद से शवों को बाहर निकालकर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मृतक सभी उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान थे, जो जालौन जिले में तैनात थे। तावडू सदर थाना प्रभारी शीशराम ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और इस संबंध में जालौन के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया गया है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए एक्सप्रेस-वे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और रास्ता साफ कराया।

फ्लाइट में पावर बैंक ब्लास्ट, 5 यात्री घायल, हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रहा था विमान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट में भीषण विस्फोट हुआ है। जानकारी के अनुसार, विस्फोट का कारण एक पावर बैंक था। पावर बैंक को बैग में रखा गया था। पावर बैंक के फटने से फ्लाइट में धुआं भर गया। कुछ देर बाद आग भी लग गई, जिसे एयर होस्टेस ने बड़ी मुश्किल से बुझाया। यह हादसा तब हुआ जब फ्लाइट चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर रही थी। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की एक फ्लाइट हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही थी। फ्लाइट 6ई 108 में एक यात्री का पावर बैंक फट गया। मोहाली में मौजूद शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय अफरातफरी मच गई। जब फ्लाइट में एक यात्री का पावर बैंक फटने से ब्लास्ट हो गया। घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। इंडिगो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत विमान खाली कराया गया। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को तुरंत घटना के बारे में सूचना दी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित टर्मिनल तक पहुंचाया गया, जहां एयरलाइन की टीम यात्रियों की मदद में जुटी रही। एयरलाइन के एक अधिकारी ने कहा कि विमान को दोबारा संचालन में लाने से पहले जरूरी तकनीकी जांच की जाएगी। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीएससी छात्रा ने घर में दुपट्टे का फंदा लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

नैनीताल (एजेंसी)। स्टाफ हाउस 7 नंबर क्षेत्र में फांसी पर झूलती बीएससी की छात्रा की मौत से सनसनी फैल गई। छात्रा छत पर लगी बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार फॉरेंसिक टीम को बुलाया। फिलहाल छात्रा ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक स्टाफ हाउस 7 नंबर निवासी 20 साल सिमरन आर्य डीसीबी परिसर में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा थी। यहां वह अपनी दादी के साथ रहती थी। सोमवार रात खाना खाने के बाद दादी और सिमरन सोने चली गई। जानकारी के मुताबिक सुबह दादी उठकर आई तो सिमरन बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई मिली। यह देख दादी की चीख पड़ी। चीखने की आवाज सुन पड़ोसी पहुंचे। लोगों की सूचना के बाद पुलिस टीम पहुंची और शव को नीचे उतारा। कोतवाल ने बताया कि छात्रा ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है।

केजरीवाल का सवाल- मोदी लहर में भी नहीं जीती थी बीजेपी, अब कैसे?

-लोकतंत्र पर संकट का दावा, राष्ट्रपति से मुलाकात की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस जीत पर सवाल उठाते हुए चुनाव प्रक्रिया और जनादेश को लेकर गंभीर टिप्पणी की है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, जब देश में ÷मोदी लहर÷ चरम पर थी, तब भी भाजपा दिल्ली और बंगाल जैसे राज्यों में जीत नहीं दर्ज कर सकी थी। उन्होंने कहा कि 2015 और 2016 में पार्टी को बेहद कम सीटें मिली थीं, लेकिन अब जब लोकप्रियता घटने की बात कही जा रही है, तब बंगाल में बड़ी जीत सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह बदलाव कैसे संभव हुआ और क्या इसके पीछे चुनावी प्रक्रिया में कोई बदलाव या

गड़बड़ी जिम्मेदार है।

इससे पहले एक रैली में बोलते हुए अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र पर संकट है और कई राज्यों में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बिहार और महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी राजनीतिक परिस्थितियां संदिग्ध रही हैं। उन्होंने अपने विधानसभा अनुभव का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनके वोटों में बड़ी संख्या में कमी आई, जिसे उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने का आधार बताया। हालांकि इन दावों का कोई आधिकारिक प्रमाण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

इस बीच आम आदमी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन पहुंचा, जहां उसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की योजना बनाई। यह मुलाकात पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के कथित विलय को लेकर थी, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और अन्य नाम शामिल हैं। पार्टी का आरोप है कि यह राजनीतिक विलय लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ है और विपक्षी दलों को कमजोर करने का प्रयास है।

बंगाल जीत पर संजय राउत ने कहा– यह लोकतंत्र नहीं, चुनावी सेटअप है

-पाकिस्तान और रूस जैसे हालात की कर रहे बात

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत और 206 सीटों के साथ सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। जहां एक ओर भाजपा ने इस परिणाम को ऐतिहासिक जनादेश बताया है, वहीं विपक्ष ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस जीत पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की जीत नहीं है, बल्कि 'चुनाव प्रबंधन की जीत' है। इसी के साथ ही संजय राउत ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ। संजय राउत ने दावा किया कि जीत और हार के बीच करीब 11 लाख वोटों का अंतर था, और अगर मतदाता सूची में बदलाव न होता तो परिणाम अलग हो सकते थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के चुनाव उन्होंने पाकिस्तान, रूस और अज़रबैजान जैसे देशों में देखे हैं, जहां पहले परिणाम तय कर लिए जाते हैं और बाद में चुनाव कराए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और इसे 卐चुनाव नहीं बल्कि सेटअप卐 कहा जाना चाहिए। उनके अनुसार, विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए थी।

शशि थरूर बोले- मोदी और शाह की रणनीति गजब की, इससे सीखना चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हालिया चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और संगठन क्षमता की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने खासकर पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उनकी मजबूत चुनावी योजना और संगठनात्मक दक्षता को दर्शाता है। शशि थरूर के अनुसार, उनकी कार्यशैली पेशेवर है और वे चुनाव अभियानों में संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हैं। सही मायने में इससे सीख लेने की जरुरत है।

कांग्रेस नेता थरूर ने यह भी स्वीकार किया कि विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस, को इस तरह की रणनीति और संगठन से सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल चुनाव हार या जीत पर प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के संदर्भ में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अब गंभीर आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि केरल में पार्टी की सफलता यह दिखाती है कि सही रणनीति अपनाने पर बेहतर परिणाम संभव हैं। शशि थरूर ने कहा कि यदि केरल मॉडल का सही तरीके से विश्लेषण कर उसे अन्य राज्यों में लागू किया जाए, तो कांग्रेस अपनी स्थिति को मजबूत कर सकती है। उन्होंने संगठन, संसाधन प्रबंधन और जमीनी पकड़ को सुधारने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के हालिया चुनाव परिणामों से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती है, लेकिन सही रणनीति से इसे अवसर में बदला जा सकता है।

अब असम विधानसभा में मुस्लिम विधायकों का विपक्ष के तौर पर रहेगा दबदबा

-चुनाव परिणामों ने रच दिया नया राजनीतिक इतिहास, -परिसीमन के बाद बदला गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। 126 सदस्यीय विधानसभा में गैर-एनडीए दलों के कुल 24 निर्वाचित विधायकों में से 22 मुस्लिम समुदाय से होने का आंकड़ा सामने आया है, जिसने एक तरफ जहां राजनीतिक बहस को जन्म दिया वहीं एक अलग ही इतिहास भी रचने का काम कर दिया है।

दरअसल विपक्षी खेमे में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस रही, जिसने 19 सीटें जीतीं, जिनमें अधिकांश मुस्लिम विधायक शामिल हैं। इसके अलावा ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को 2 सीटें मिलीं, जबकि रायजोर दल और तृणमूल कांग्रेस को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुई। इन आंकड़ों की खास बात यह है कि विधानसभा में विपक्ष के तौर पर केवल दो गैर-मुस्लिम विधायक चुने गए हैं। इनमें रायजोर दल प्रमुख अखिल गोगोई और कांग्रेस के जॉयप्रकाश

दास शामिल हैं।

इस पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणी सामने आई है, जिसमें उन्होंने इसे राजनीतिक समीकरण पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का विश्लेषण है, लेकिन इससे राज्य की जनसांख्यिकीय और राजनीतिक वास्तविकता समझी जा सकती है।

चुनाव परिणामों में भाजपा और उसके सहयोगियों का प्रदर्शन मजबूत रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, परिसीमन के बाद बदले निर्वाचन क्षेत्रों ने इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2023 के परिसीमन के बाद मुस्लिम बहुल सीटों की संख्या कम होकर 22 रह गई, जिससे चुनावी संतुलन प्रभावित हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, पहले जहां मुस्लिम बहुल सीटें 35 थीं, वहीं अब यह संख्या घटकर 22 रह गई है। इससे विपक्षी दलों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी और कई सीटों पर वोट विभाजन भी देखने को मिला।

चुनाव से पहले भी राजनीतिक समीकरण में बदलाव देखा गया, जब कुछ विधायकों ने पाला बदलकर सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन किया। इससे विपक्ष की रणनीति कमजोर हुई। असम में यह भी बहस जारी है कि बांग्लादेश से अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय बदलाव राज्य की राजनीति को लंबे समय से प्रभावित करते रहे हैं। भाजपा का तर्क रहा है कि राज्य की राजनीतिक दिशा में स्थानीय और स्वदेशी समुदायों की भूमिका निर्णायक होनी चाहिए। इन नतीजों ने असम की राजनीति में एक नए बहस को जन्म दिया है, जहां प्रतिनिधित्व, परिसीमन और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है।

बंगाल में जीती भाजपा तो सपा सांसद को हुई चिंता, बोले— झूठे केस में फंसाने का डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद देश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। इसी बीच संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद ज़िया उर रहमान बर्क ने प्रतिक्रिया देते हुए प्रशासनिक दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध को लेकर चिंता जताई है। सांसद ज़िया उर रहमान बर्क ने कहा, कि भाजपा की जीत अपने आप में मुद्दा नहीं है, लेकिन वास्तविक चिंता इस बात की है कि कहीं जनता को दबाने और विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने की प्रवृत्ति न बढ़े। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक रिकॉर्ड और कानूनी प्रक्रियाओं का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव के लिए किया जा सकता है। सांसद बर्क ने कहा कि यदि लोग डरकर चुनावी प्रक्रिया से पीछे हट जाएं, तो लोकतंत्र का अर्थ ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश के कई हिस्सों में जहां भाजपा सत्ता में है, वहां इस तरह की चिंताएं पहले भी उठती रही हैं। सांसद बर्क ने आशंका जताई कि आगामी 2027 के चुनावों को देखते हुए उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में राजनीतिक माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा कि वोटरों के साथ भेदभाव और विपक्षी नेताओं को कानूनी मामलों में उलझाने का खतरा बना रहता है।

राष्ट्रपति से मिले भगवंत मान, बोले— संविधान का मजाक बना

आप छोड़ बीजेपी में शामिल सांसदों पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में उथल-पुथल के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर आम आदमी पार्टी (आम आदमी पार्टी) के छह राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल होने के मुद्दे पर कड़ा विरोध जताया।

मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम भगवंत मान ने कहा कि कुछ सांसदों द्वारा पार्टी बदलना लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि पूरी पार्टी दो-तिहाई बहुमत से विलय करती है तो यह स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन, सिर्फ 6-7 लोगों का ऐसा कदम मनमानी है।

मुख्यमंत्री मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में भाजपा के केवल 2 विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा में उसके 6 सदस्य हो गए हैं, जो ÷संविधान का

मजाक÷ है। उन्होंने इस मुद्दे पर ÷राइट टू रिकॉल÷ जैसे संवैधानिक संशोधन की भी मांग उठाई। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान अपने साथ लगभग 90 विधायकों को लेकर दिल्ली पहुंचे थे।

वहीं दूसरी ओर, आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए नेताओं, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें पंजाब की सरकारी मशीनरी के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। राघव चड्ढा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप बदले की राजनीति कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह ÷खतरनाक खेल÷ है और इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा, ÷आप के पास एक राज्य की पुलिस है, जबकि हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस है,÷ जिसे लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

इस पर पलटवार करते हुए भगवंत मान ने सवाल उठाया कि क्या यह बयान विपक्ष को डराने के लिए दिया गया है। उन्होंने कहा कि ÷कानून अपना काम करेगा÷ और किसी के खिलाफ कार्रवाई केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होगी। इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब सहित राष्ट्रीय राजनीति में दल-बदल, संवैधानिक प्रावधानों और राजनीतिक नैतिकता पर नई बहस छेड़ दी है।

राजा भैया का तंज बोले- मिट गये सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के इन परिणामों का असर उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी साफ देखा जा रहा है। यूपी के प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक और जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने इन नतीजों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राजा भैया ने डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन की हार को सीधे तौर पर सनातन धर्म के अपमान से जोड़ते हुए इसे जनता का करारा जवाब बताया है।

राजा भैया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मिट गये सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले। अपनी बात को वजन देने के लिए उन्होंने अपना 3 सितंबर 2023 का वह पुराना ट्वीट भी रिट्वीट किया, जिसमें उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के उस विवादित बयान का कड़ा विरोध किया था, जिसमें

सनातन धर्म की तुलना घातक बीमारियों से की गई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने देश की राजनीतिक दिशा में नई हलचल पैदा कर दी है। इन नतीजों के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। जहां बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा ने भारी बहुमत के साथ अपनी सत्ता सुरक्षित की है, वहीं दक्षिण भारत के चुनावी नतीजों ने सबसे ज्यादा चौंकाया है। केरल में कांग्रेस ने अपनी पकड़ मजबूत की है, तो तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। तमिलनाडु में विजय थलापति की पार्टी टीवीके ने एम.के. स्टालिन की डीएमके को शिकस्त देकर कांग्रेस के साथ गठबंधन की सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। विदित हो कि साल 2023 में एक सम्मेलन के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि सनातन धर्म मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की तरह है, जिसे केवल विरोध नहीं करना चाहिए बल्कि जड़ से मिटा देना चाहिए। उस समय भी राजा भैया ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि यह बयान हिंदुओं के प्रति घृणा को दर्शाता है। अब चुनावी नतीजों के बाद राजा भैया का यह हमला संकेत देता है कि उदयनिधि के बयानों ने हिंदू मतदाताओं के बीच जो नाराजगी पैदा की थी, उसका खामियाजा डीएमके को भुगतना पड़ा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राजा भैया इस मुद्दे के जरिए यूपी में भी अपने हिंदुत्ववादी आधार को और अधिक मजबूती देना चाहते हैं।

भीषण गर्मी का मुख्य कारण वायुमंडलीय घटना हीट डोम: मौसम विशेषज्ञ

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के कई हिस्सों उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में अप्रैल माह में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। इस चरम गर्मी का मुख्य कारण वायुमंडलीय घटना हीट डोम है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक ऐसी मौसमी स्थिति है जिसमें गर्म हवा एक बड़े क्षेत्र में फंसकर तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली गर्मी पैदा करती है, मानो वातावरण एक बंद भट्टी में बदल गया हो। तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है और कुछ इलाकों में यह 46-47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे हीट इंडेक्स 50 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो रहा है। दिल्ली, कानपुर, बांदा, लखनऊ, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, अकोला, अमरावती, वर्धा, तेलंगाना और राजस्थान जैसे राज्य इसके सीधे प्रभाव में हैं। हीट डोम का निर्माण तब होता है जब ऊपरी वायुमंडल में उच्च दबाव का एक बड़ा क्षेत्र बनता है। यह उच्च दबाव वाली प्रणाली हवा को नीचे की ओर धकेलती है। जब हवा नीचे उतरती है, तो वह संपीड़ित होकर और अधिक गर्म हो जाती है। यह नीचे उतरती और गर्म होती हवा, सतह पर मौजूद गर्म हवा को एक विशाल अदृश्य गुंबद की तरह फंसा लेती है। इस गुंबद के कारण गर्म हवा ऊपर उठकर ठंडी नहीं हो पाती और न ही फैल पाती है। नतीजतन, गर्मी एक ही जगह पर जमा होती रहती है और तापमान लगातार बढ़ता जाता है, जिससे रात में भी कोई खास राहत नहीं मिलती। सामान्य मौसम में गर्म हवा सूर्य की किरणों से गर्म होकर ऊपर उठती है, बादल बनते हैं और वर्षा या ठंडी हवा का संचार होता है, लेकिन हीट डोम में उच्च दबाव वाली प्रणाली हवा को नीचे दबाए रखती है।

हीट डोम, हीट वेव से अलग है। जहां हीट वेव कुछ दिनों की तीव्र गर्मी की स्थिति होती है, वहीं हीट डोम बड़े भौगोलिक क्षेत्र पर हफ्तों या उससे अधिक समय तक गर्मी को फंसाए रखता है। इसमें जेट स्ट्रीम, जो ऊपरी वायुमंडल में पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली तेज हवाओं की पट्टी होती है, महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब जेट स्ट्रीम लहरदार और धीमी हो जाती है या रुक जाती है, तो यह अपने पीछे उच्च दबाव का क्षेत्र छोड़ जाती है, जो गर्म हवा के फंसने का कारण बनता है। यह प्रक्रिया समुद्र के ऊपर गर्म हवा के बनने और ठंडी हवाओं के नीचे जाने से और तेज हो जाती है। जब उच्च दबाव का क्षेत्र कमजोर होकर या हटकर हवाओं को बाहर निकलने देता है, तभी यह हीट डोम टूटता है और गर्मी से राहत मिलती है। हालांकि यह एक हफ्ते या उससे ज्यादा बना रह सकता है।

हालांकि हीट डोम सीधे तौर पर औद्योगिक गतिविधियों या एयरकंडीशनर से निकलने वाली गर्म हवा से नहीं बनता, लेकिन कारखानों, पावर प्लांट और वाहनों से उत्सर्जित होने वाली ग्रीनहाउस गैसें ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती हैं। यह बढ़ा हुआ तापमान हीट डोम जैसी घटनाओं को और अधिक तीव्र और बार-बार होने वाला बना सकता है। हीट डोम अत्यंत खतरनाक है क्योंकि यह साइलेंट किलर की तरह काम करता है। अत्यधिक और लगातार गर्मी से हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हृदय संबंधी समस्याएं और किडनी फेलियर के मामले बढ़ जाते हैं। बुजुर्गों, बच्चों, मजदूरों और बीमार लोगों को इससे सबसे अधिक खतरा होता है। इसके अलावा, फसलें सूख जाती हैं, उपज घटती है और जल संकट गहराता जाता है। भारत में हीट डोम की सालाना सटीक गिनती नहीं की जाती, लेकिन हीट वेव के रूप में इन स्थितियों पर नजर रखी जाती है।

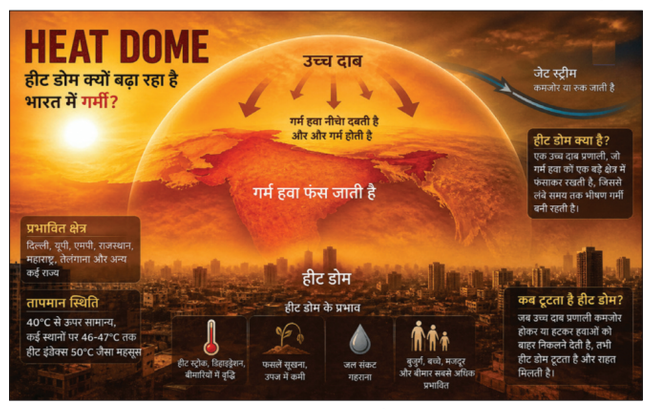

उद्योग जगत की खुशी बंगाल के फिर से निवेश और नौकरियों का केंद्र बनने का संकेत है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम केवल राजनीतिक बदलाव ही नहीं लाये बल्कि राज्य के आर्थिक भविष्य को लेकर नई उम्मीदें भी जगाई हैं। उद्योगपति हर्ष गोयनका की प्रतिक्रिया ने इस चर्चा को और गति दी है। उन्होंने कहा है कि बंगाल का व्यापारिक वर्ग इस परिणाम से खुश है और अब विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी की यह जीत ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि पहली बार उसने पश्चिम बंगाल में सरकार बनाई है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह साल के शासन का अंत हुआ है। इस बदलाव से केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद की जा रही है, जो विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं। जब राज्य और केंद्र की सरकारें एक दिशा में काम करती हैं, तो निवेश का माहौल बेहतर बनता है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि बाजार की यह तेजी शुरूआती प्रतिक्रिया हो सकती है। दीर्घकाल में आर्थिक स्थिति कई अन्य कारकों पर निर्भर करेगी, जैसे वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतें।

उद्योग जगत को उम्मीद है कि अब बड़े आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। निवेश की मंजूरी की प्रक्रिया आसान हो सकती है और नियमों में स्पष्टता आएगी। इससे निजी और सरकारी दोनों तरह के निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं का विस्तार भी राज्य में तेजी से हो सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आय और मांग बढ़ने की संभावना है। कई उद्योग संगठनों ने भी इस परिणाम का स्वागत करते हुए निवेश के माहौल में सुधार की उम्मीद जताई है।

अगर विभिन्न क्षेत्रों की बात करें, तो आधारभूत ढांचा और निर्माण क्षेत्र को सबसे ज्यादा लाभ मिलने की संभावना है। सड़क, बंदरगाह और औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिल सकती है। अचल संपत्ति क्षेत्र में भी सुधार की उम्मीद है। चाय, कृषि और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में नई योजनाएं विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में कर्ज वितरण बढ़ सकता है, खासकर छोटे उद्योगों और आवास क्षेत्र में।

इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी सामने हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से दबाव में है। वित्तीय घाटा और कर्ज का स्तर ऊंचा बना हुआ है। ऐसे में नई सरकार के लिए अपने वादों को संतुलित तरीके से लागू करना जरूरी होगा, ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल राजनीतिक बदलाव पर्याप्त नहीं है। नीतियों का सही क्रियान्वयन और वित्तीय अनुशासन ही लंबे समय में वास्तविक परिणाम तय करेंगे। वैसे आम लोगों के लिए इस बदलाव का अर्थ है संभावित रूप से अधिक रोजगार के अवसर और बेहतर आर्थिक गतिविधियां। अगर निवेश बढ़ता है और उद्योग विकसित होते हैं, तो राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार हो सकता है। इससे जीवन स्तर और बाजार की स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल अभी भी निवेश के मामले में अन्य राज्यों से पीछे है। विदेशी निवेश कम रहा है और विनिर्माण क्षेत्र की गति भी धीमी रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सेवाओं का योगदान अधिक है, जबकि औद्योगिक विकास को और मजबूत करने की जरूरत है। व्यापार करने की सुविधा से जुड़े पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। जमीन की उपलब्धता, मंजूरी की प्रक्रिया और नियमों की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर सुधार जरूरी है।

हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल का औद्योगिक इतिहास कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता था। एक समय ऐसा था जब यह राज्य अपने कारखानों और उद्योगों के कारण पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पहचान रखता था। दूसरे राज्यों से लोग यहां रोजगार की तलाश में आते थे। लेकिन समय के साथ स्थिति बदलती चली गई। पहले वामपंथी सरकारों की नीतियों के कारण उद्योगों पर दबाव बढ़ा और धीरे धीरे कई कारखाने बंद होने लगे। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार और नीतिगत अनिश्चितता को लेकर भी सवाल उठते रहे, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ममता बनर्जी के आंदोलन के चलते सिंगूर में टाटा नैनो परियोजना के बंद होने की घटना के बाद बंगाल में बड़े उद्योग लगाने को लेकर निवेशकों में एक तरह की हिचक पैदा हो गई। परिणाम यह हुआ कि रोजगार के अवसर घटे और लोगों का पलायन बढ़ने लगा। हालांकि अब जब भाजपा की सरकार बनी है, तो उद्योग जगत में एक बार फिर सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे हैं। कई उद्योग संगठनों का कहना है कि वह आने वाले समय में सरकार को नई परियोजनाओं की रूपरेखा सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को फिर से गति मिल सकती है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल एक नए अवसर के दौर में प्रवेश कर रहा है। अगर नई सरकार योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करती है और निवेश के अनुकूल माहौल बनाती है, तो राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा मिल सकती है।

संपादकीय

दक्षता घटाती कोचिंग

पिछले दिनों आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती के उस बयान ने चौंकाया कि कोचिंग के कारोबार ने छात्रों की सोचने की क्षमता को घटाया है। वे प्रतिभा विस्तार व मौलिक सोच में विकास के बजाय कोचिंग उद्योग के चतुराई के खेल में शामिल हो रहे हैं। वे दिमाग के इस्तेमाल के बजाय जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए ट्रिक्स से गलत ऑप्शन हटाना सीख रहे हैं। फलतः वे आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन गुणवत्ता की शिक्षा से साम्य बैठाने में असफल साबित होते हैं, जिससे उनकी आईआईटी में बैक लगने यानी कुछ विषयों अनुतीर्ण होने से बैक लगने की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों। निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। एक समय था कि भारतीय प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रणाली में स्वस्थ स्पर्धा हुआ करती थी। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बाजार के लगातार बढ़ते दखल ने सारी स्थिति ही उलट कर रख दी। वहीं दूसरी ओर सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा सौ फीसदी तक अंक दिए जाने ने राज्यों के बोर्डों से परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्रों को हीन भावना से भर दिया। निस्संदेदह, वह शिक्षा प्रणाली सवालों के दायरे में आनी चाहिए, जिसमें असंभव से लगने वाले सौ फीसदी अंक छात्रों को दिए जाते हैं। सौ फीसदी अंक एक नहीं कई-कई छात्रों को दिए जाते हैं। वहीं राज्यों के विभिन्न बोर्डों में परीक्षक कंजूसी से नंबर देकर पहले ही छात्रों को राष्ट्रीय स्पर्धा से बाहर कर देते हैं। निश्चय ही यह स्थिति देश के लाखों छात्रों के साथ अन्याय जैसी है।

दरअसल, देश में पहले भी कोचिंग व्यवस्था मौजूद रही है। लेकिन एक सहायक की भूमिका में। आज कोचिंग कारोबारियों द्वारा उसे छात्रों के भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र विकल्प के रूप में बताया जा रहा है। यह व्यवस्था देश में व्याप्त आर्थिक विभेद को भी और बढ़ाती है। तय है कि संपन्न घरों से आने वाले बच्चे महंगी कोचिंग पाकर गुदड़ी के लालों के जीवन पर सदैव भारी पड़ेंगे। फलतः कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के अभिभावक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर्ज लेकर कोचिंग का जुगाड़ करते हैं। अपना पेट काटकर वे बच्चों को महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजते हैं। कई अभिभावक अक्सर कर्ज में डूब जाते हैं। वहीं शैक्षिक गुणवत्ता के नजरिये से देखें तो पहले जब कोचिंग एक सहायक की भूमिका में थी तो छात्र विस्तृत पढ़ाई से विषय को समझने का प्रयास करते थे। अब पूरी व्यवस्था कोचिंग केंद्रित होने से शिक्षा की व्यापकता खत्म हो रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में सवाल समझकर हल करने की बजाय गलत विकल्पों को हटाने की कोचिंग्स द्वारा सिखायी ट्रिक्स इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर-तरीकों से छात्रों को ह्यस्पून फीडिंगह्न की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार-बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां समेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ-स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। उनको कई विषयों में पूरक परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे सुनहरे सपने लेकर आए छात्र गहरे तनाव में आ जाते हैं।

क्या भारत दो-दलीय राजनीति की ओर बढ़ रहा है?

दिलीप कुमार पाठक

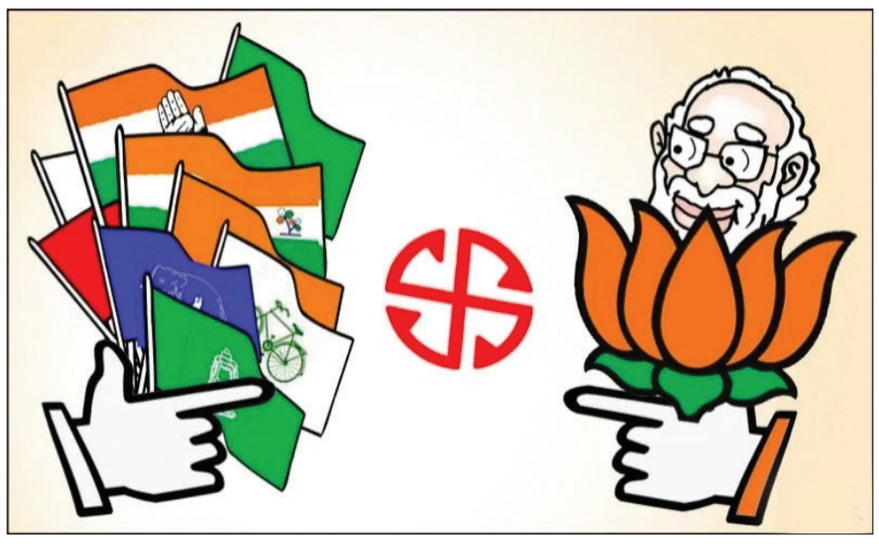

भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी बात निकलकर आई है, जिसे समझना जरूरी हो गया है। कभी कांग्रेस मुक्त भारत का नारा लगाने वाली भाजपा का ये सियासी जुमला लगता था, लेकिन आज की हकीकत देखें तो यह क्षेत्रीय दल मुक्त भारत के एक बड़े प्लान की तरह नजर आता है। भाजपा की रणनीति अब स्पष्ट हो चली है, वह पहले बड़े प्यार से किसी क्षेत्रीय दल की 'बांह' पकड़ती है, उसके साथ मिलकर सरकार बनाती है, वहाँ का गुणा गणित समझती है, उसके घर के भीतर तक अपनी पैठ बनाती है और फिर धीरे से उसी साथी को किनारे लगाकर अपना झंडा गाड़ देती है।

नीतीश कुमार हों या उद्धव ठाकरे, नवीन पटनायक हों या बादल परिवार... इन सब की कहानियाँ एक ही पैटर्न पर लिखी गई हैं। बिहार को ही देख लीजिए, जहाँ नीतीश कुमार कभी बड़े भाई हुआ करते थे और भाजपा उनके पीछे चला करती थी। लेकिन आज पासा पूरी तरह पलट चुका है; भाजपा बिहार की सबसे बड़ी ताकत बन गई है और नीतीश अपनी साख बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महाराष्ट्र में जिस शिवसेना ने भाजपा को उंगली पकड़कर हिंदुत्व का रास्ता दिखाया, आज वह खुद दो टुकड़ों में बंटकर अपनी पहचान की लड़ाई लड़ रही है। ओडिशा में नवीन बाबू का 24 साल पुराना अभेद्य किला जिस तरह ढहा, उसने सबको हैरान कर दिया। भाजपा ने वहां पहली बार अपनी सरकार बनाकर साबित कर दिया कि वह किसी की भी विरासत को समेटने का हुनर जानती है। अभी एक दशक पहले बंगाल में भाजपा का अस्तित्व भी न के बराबर था, लेकिन आज वहाँ प्रचंड बहुमत के साथ ही साथ सरकार बन गई है।

अब यह विस्तार की भूख पंजाब और दक्षिण के राज्यों की ओर मुड़ चुकी है। पंजाब में अकालियों से नाता टूटने के बाद भाजपा ने जो ताकत दिखाई है, वह आने वाले समय में केजरीवाल की आप के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। दक्षिण भारत अब भाजपा के लिए एक ऐसी प्रयोगशाला बन गया है जहाँ वह नए-नए प्रयोग कर रही है। तमिलनाडु की राजनीति में दशकों से दो ही नाम चलते थे–डीएमके और एआईएडीएमके लेकिन भाजपा ने एआईएडीएमके के कमजोर पड़ते ही वहां अपने पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। केरल में जहाँ कांग्रेस और वामपंथियों के अलावा किसी तीसरे की जगह नहीं थी, वहाँ भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर और अपना वोट शेयर बढ़ाकर सबको चौंका दिया है। कांग्रेस वहां आज भले ही जीत गई हो, लेकिन उसे भी पता है कि भाजपा की नजरें अब उसकी कुर्सी पर हैं।

बंगाल जीतने के बाद पार्टी मुख्यालय के संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का विरोध करना अखिलेश यादव को बहुत भारी पड़ेगा, मतलब साफ है अगला नंबर उत्तरप्रदेश का है। भाजपा जिस आत्मविश्वास के साथ अखिलेश यादव को टार्गेट कर रही है, और जैसे परिणाम आ रहे हैं तो लगता है कि भाजपा यूपी को जीतकर समाजवादी पार्टी को भी नफासत के साथ निपटा देगी।

भाजपा अब उन मुद्दों को पीछे धकेल रही है जिन मुद्दों के सहारे क्षेत्रीय दलों की रणनीतिक अस्तित्व टिका हुआ है। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस का अपना अलग ही तर्क है। कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा की इस आक्रामक विचारधारा का मुकाबला नहीं कर सकतीं। वे कहते हैं कि अंत में मुकाबला बड़ा होगा और देश फिर से कांग्रेस बनाम भाजपा वाले दौर में लौटेगा। यानी कांग्रेस भी चाहती है कि क्षेत्रीय दल कमजोर हों ताकि वह मुख्य विपक्षी दल बन सके। थलापति विजय जैसे नए चेहरे तमिलनाडु में उम्मीद तो जगाते हैं, लेकिन इसके बाद वहाँ भाजपा जिस स्टाइल में काम कर रही है, उसमें किसी तीसरे के लिए रास्ता बनाना आसान नहीं होगा।

सवाल यह है कि क्या यह सब लोकतंत्र के लिए सही है? भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर कुछ कोस पर भाषा और संस्कृति बदल जाती है। क्षेत्रीय दल इन्हीं स्थानीय भावनाओं की आवाज होते हैं। अगर ये दल खत्म हो गए, तो क्या स्थानीय मुद्दे दिल्ली के शोर में दब जाएंगे? भाजपा अब किसी राज्य में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहने से संतुष्ट नहीं होती। वह जहां कदम रखती है, पूरा मैदान अपना करने की कोशिश करती है। आने वाले समय में अगर ये क्षेत्रीय क्षत्रप नहीं संभले, तो देश में सिर्फ दो बड़े ध्रुव ही बचेंगे? ये तो समय बताएगा, हालांकि अब यह जनता को तय करना है कि क्या उन्हें वह एक छत्र राज मंजूर है या वे अपनी स्थानीय पहचान और आवाज को बचाए रखना चाहते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

ललित गर्ग

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है।

इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-'किराये की संतान'। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है-क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है।

हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं, जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद, व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है, जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो चुके हैं, वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है।

निश्चिततौर पर आज का समाज तीव्र गति से बाजारवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था, अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाजार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव, त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है।

विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पड़ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध, सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो, यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है।

साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। 'किराये की संतान' का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

चिंतन-मनन

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू साथ लेकर आएं। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो-चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए।

जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा- यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं किया जाएगा बर्दाश्त -डॉ0 नितिन गौड़

अमरोहा (सब का सपना):- स्कूली वाहनों में छात्र-छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में गांधी सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन करते हुए एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने बताया कि जनपद अमरोहा में कुल 934 स्कूली वाहन संचालित हैं, जिनमें 857 वाहन स्कूल के नाम पर पंजीकृत हैं तथा 77 स्कूलों से अनुबंधित हैं। इनमें से 72 स्कूली वाहनों की फिटनेस वैधता समाप्त हो चुकी है। परिवहन विभाग द्वारा इनमें से 35 वाहनों का पंजीयन निलंबित कर दिया गया है। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने अनफिट वाहनों की स्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी संबंधित स्कूलों को तत्काल पत्र लिखकर फिटनेस प्रमाण-पत्र करवाने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।डीएम ने स्कूलों में विद्यालय यान सुरक्षा समिति का गठन, रोड सेफ्टी क्लब का गठन तथा मास्टर ट्रेनर नामित करने के भी स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएम ने जिला विद्यालय निरीक्षक और बीएसए को निर्देश दिया कि वे सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों के साथ बैठक आयोजित कर सुनिश्चित करें कि स्कूली बच्चों का परिवहन केवल फिट वाहनों से ही हो और वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक छात्र-छात्राओं को न बिठाया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने संभावित बाढ से बचाव के दृष्टिगत की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संभावित बाढ़ से पूर्व की जाने वाली तैयारियों हेतु बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में संभावित बाढ़ से निपटने के लिए जिले की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई और सभी संबंधित विभागों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में सिंचाई, पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व, आपदा प्रबंधन, लोक निर्माण और पंचायती राज विभाग सहित सभी संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।जिलाधिकारी ने जनपद में स्थित तटबन्धों के साथ बाढ संभावित ग्रामों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर की जाने वाली तैयारियों के सम्बन्ध में सख्त निर्देश दिए। बैठक में अनुपस्थित डीएफओ, सीएमओ, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण और जिला कृषि अधिकारी सहित अनुपस्थित समिति के सदस्यों का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। डॉ. नितिन गौड़ ने निर्देश दिए कि बाढ़ चौकियों को समय से क्रियाशील कर लिया जाए। गोताखोरों को चिन्हित करते हुए उनकी सूची अपडेट की जाए। आपदा विभाग को खाद्य सामग्री और भूसे की टेण्डर प्रकिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी नालों की सफाई समय से की जाए। उन्होंने तीनों तटबंधों, तहसील और जिला मुख्यालय पर कन्ट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। बाढ़ के समय प्रयोग होने वाले उपकरणों की क्रियाशीलता की जांच कर लें। उपजिलाधिकारी धनौरा और हसनपुर को निर्देशित किया कि ग्रामों में जाकर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जांच कर लें जिससे बाढ की स्थिति में आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि जितनी बेहतर तैयारी अभी कर ली जाएगी, उतनी कम परेशानी बाद में होगी। नदियों के किनारों के कटान रोकने हेतु पेडों की शाखाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश वन विभाग को दिए। बाढ़ आश्रय स्थलों को बेहतर स्थापना के साथ साफ-सुथरा बनाया जाए। डीएसओ ड्राई राशन खरीदने संबंधी सभी तैयारियां पहले से ही पूर्ण कर लें। परिवहन विभाग को आवागमन हेतु छोटे व बडे वाहनों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।
मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि पशुओं की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए भूसा एवं हरे चारे की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। पशु आश्रय स्थलों की पहचान एवं व्यवस्था की जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशु चिकित्सा टीमों तथा डॉक्टरों की तैनाती की जाए। पशु औषधियों, टीकों तथा आवश्यक उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। पशुओं के लिए आपातकालीन बचाव एवं चिकित्सा व्यवस्था तैयार रखी जाए। लोक निर्माण विभाग को सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि बाढ चौकियों पर मेडिकल टीम तैनाती, एम्बलेंस, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सौंपे गये उत्तरदायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि बाढ़ प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बाढ़ प्रबंधन के कार्यों को सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण निर्वहन करें।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह उपजिलाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षामित्र सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षामित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण का भव्य समारोह का आयोजन जोया रोड स्थित एक वैक्वेट हॉल में किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद कंवर सिंह तंवर , विशिष्ट अतिथि विधायक धनौरा राजीव तरारा , जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी , जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, ओमप्रकाश गोला , मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का उद्बोधन लाइव प्रसारित किया गया। जनपद अमरोहा के लगभग 200 शिक्षामित्रों ने समारोह में प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षामित्रों को 18,000 रुपये का प्रतिकात्मक चेक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सांसद कंवर सिंह तंवर ने शिक्षामित्रों के बढ़े हुए मानदेय की बधाई दी और उन्हें अपने दायित्वों व कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने की अपील की। विधायक धनौरा राजीव तरारा ने शिक्षा क्षेत्र में सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी ने शिक्षामित्रों से कहा आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी शिक्षामित्रों को प्रोत्साहित किया कि वे बच्चों की नियमित उपस्थिति, पढ़ाई के स्तर और समग्र विकास पर विशेष ध्यान दें। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों को समाज का सहयोग लेकर परिषदीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर देवेंद्र खड़गवंशी, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 मोनिका सिंह, सम्बंधित अधिकारी और शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

खरीफ सीजन के लिए निःशुल्क मिनीकिट एवं अनुदानित बीज की ऑनलाइन बुकिंग शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- खरीफ सीजन को देखते हुए जनपद के किसानों को अवगत कराना है कि कृषि विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत निःशुल्क मिनीकिट एंव रियायती दरों पर बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि किसान 22 अप्रैल 2026 से विभाग की अधिकारिक वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि निशुल्क तीन मिनीकिट के अन्तर्गत उर्द मूंग, अरहर, सांवा, कोदो, रागी, ज्वार और बाजरा के कुल हजारो पैकिट किसानो को वितरित किए जाएगें। वही सामान्य बीज योजना के तहत धान, उँचा, उर्द और अरहर के बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर पॉस मशीन के माध्यम से उपलब्ध होगें। इसके अलावा संकर ज्वार, बाजरा और मक्का के बीज डी०बी०टी० के जरिए अनुदान पर सभी राजकीय कृषि बीज भंडारो से प्राप्त किए जा सकेगें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि आवेदन संख्या लक्ष्य से अधिक हुई तो पात्र किसानों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से किया जायेगा। कृषि विभाग ने किसानो से अपील की है कि वे समय रहते ऑनलाइन आवेदन कर इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। बुकिंग की अंतिम तिथि 10 मई 2026, रहेगी।

चार दिन पहले रामगंगा पोषक नहर में कूदे किशोर का कोई सुराग न मिलने पर गुस्सा आए परिजनों ने स्टेट हाईवे किया जाम

नहर का पानी तत्काल बंद कराए जाने की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र की रामगंगा पोषक नहर में चार दिन पहले डूबे 12 वर्षीय बच्चे का कोई सुराग न मिलने पर गुस्साए परिजनों ने मंगलवार को बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे पर जाम लगाकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने यह जाम प्रशासन की धीमी कार्यप्रणाली से नाराज होकर लगाया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि नहर का पानी तत्काल बंद कराया जाए ताकि बच्चों की तलाश प्रभावी व सुगमता से की जा सके।
बता दें कि जाम के दौरान मौके पर बेहद भावुक माहौल देखने को मिला। महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल था और परिजनों की सिसकियां हर किसी को झकझोर रही थीं। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस ने ट्रैफिक को नूरपुर रोड की ओर डायवर्ट कर दिया। इसके अलावा मंडी धनौरा और बछरायूं पुलिस को मौके पर तैनात किया गया।
पूरा घटनाक्रम....
घटना की जानकारी देते हुए आपको बता दें कि डिडौली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर नूरी निवासी रवि कुमार का पुत्र आर्यंस अपने मामा आकाश के घर ग्राम मिलक अख्तियारपुर में रहकर कक्षा 6 में पढ़ाई कर रहा था। बीते शुक्रवार को वह अपनी नानी के साथ खेत गया था, जहां अचानक उसने नहर में छलांग लगा दी। नानी के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक मासूम गहरे पानी में ओझल हो चुका था।चार दिनों से बच्चे का कोई सुराग न मिलने से परिजनों में भारी आक्रोश है। बच्चे के पिता रवि कुमार ने कहा कि जब तक नहर का पानी बंद नहीं किया जाएगा, तब तक बहाव कम नहीं होगा और बच्चे की तलाश मुश्किल है। उन्होंने प्रशासन से जल्द ठोस कार्रवाई की मांग की।
जाम की सूचना मिलते ही एसडीएम शैलेश कुमार दुबे, सीओ अंजलि कटारिया, तहसीलदार मूसराम थारू, नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी और थाना प्रभारी अमरपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया और बताया कि नहर का पानी बंद कराने के लिए सिंचाई विभाग को पत्र भेजा जा चुका है।अधिकारियों ने 24 घंटे के भीतर बच्चे का शव बरामद करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब आधे घंटे तक चला जाम समाप्त हुआ। भाकियू टिकैत नेता गुरमीत सिंह चंचू ने चेतावनी दी कि यदि तय समय में बच्चा नहीं मिला तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।फिलहाल एनडीआरएफ, गोताखोर और प्रशासन की टीमें लगातार नहर में बच्चे की तलाश में जुटी हुई हैं।

मंडी धनौरा ब्लॉक सभागार में ग्राम प्रधानों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन,खुद को प्रशासक बनाने की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को जनपद के मंडी धनौरा के ब्लॉक सभागार में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक को ग्राम प्रधानों ने ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संघ के बैनर तले आयोजित किया। बैठक के दौरान वहां उपस्थित प्रधानों ने प्रधानी के कार्यकाल की समाप्ति और आगामी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की।
बता दें कि संघ के जिला अध्यक्ष उधम सिंह गिल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 25 मई को वर्तमान ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। ऐसे में विकास कार्यों की निरंतरता और ग्रामीण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सरकार को ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त करना चाहिए। उन्होंने ने तर्क दिया कि प्रधानों को जमीनी समस्याओं और विकास योजनाओं की बेहतर समझ होती है, जिससे गांव के कार्यों में कोई बाधा नहीं आएगी। बैठक में मौजूद सभी प्रधानों ने एक स्वर में इस प्रस्ताव का समर्थन किया। वक्ताओं ने कहा कि यदि किसी बाहरी अधिकारी को प्रशासक नियुक्त किया जाता है,
तो विकास कार्यों की गति धीमी पड़ सकती है। प्रधानों ने सरकार से अपील की है कि उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें ही यह जिम्मेदारी सौंपी जाए।इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनमें अनुज कुमार, नितिन सिंह, नितिन यादव, भगवंत सैनी, जितेंद्र सैनी, राजपाल सिंह, जसमीन जग्गा, विक्रम सैनी, शिवानी, गंगासरन, रोहित, जीतपाल, सद्दाम अली, यूसुफ, जावेद, पुष्कर, लाल सिंह, चरण सिंह, धर्मवीर भाटी, पंकज त्यागी, चंद्रप्रकाश, चीनू जाटव, आरिफ सैफी, इकराम चौधरी, इल्यास, फाजिल जैदी और हरीश यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल थे।प्रधानों ने स्पष्ट किया है कि वे अपनी मांगों को लेकर जल्द ही प्रशासन के उच्च अधिकारियों के माध्यम से सरकार तक अपना मांग पत्र भेजेंगे।

गजरौला स्थित बोर्डिंग एकेडमी में मेधावी छात्र- छात्राओं का सम्मान समारोह

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला ब्लॉक क्षेत्र स्थित सिद्धार्थ बोर्डिंग अकादमी में छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को फूल मालाएं एवं मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला और वहां मौजूद शिक्षकों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।
बता दें कि कार्यक्रम के दौरान एकेडमी के कई विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धियों से संस्थान का नाम रोशन किया जिसमें सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में कनिष्क सिंह ,सूर्य, सूर्यांश पाल और दीपांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं नवोदय विद्यालय में विनीत राणा ने सफलता प्राप्त की, इसके अतिरिक्त गुरुकुल कुरुक्षेत्र हरियाणा में रोहित सिंह और हरजीत सिंह का चयन हुआ। मोतीलाल नेहरू स्कूल से भारत राई तथा सोनीपत शारीरिक प्रवेश परीक्षा में यश चौधरी, राज चौधरी ,ऋतिक, शिव चौहान और उत्सव पाल ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया।इस मौके पर उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की मेहनत अनुशासन और लग्न की सराहना की, उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता की असली कुंजी है और ऐसे सम्मान समारोह बच्चों को आगे बढ़ाने तथा बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा देते हैं। एकेडमी के प्रबंधक रविराज और संचालक राम सिंह बौद्ध ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी उन्होंने कहा कि संस्थान हमेशा प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे प्रयोगदायक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

फील्ड सर्वेक्षण और उसके मूल्यांकन के दृष्टिगत आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- स्वच्छ और सुंदर शहर, नगर पालिका परिषद अमरोहा सभागार में आगामी फील्ड सर्वेक्षण और उसके मूल्यांकन के दृष्टिगत आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार और प्रशिक्षण डीपीएम अमरोहा नदीम अख्तर द्वारा दिया गया । बैठक में सभी सफाई निरीक्षक, सफाई नायक एवं डोर-टू-डोर वाहन चालकों को निर्देशित किया गया कि वे सर्वेक्षण 2025-26 के कार्य में अपना शत-प्रतिशत योगदान दें तथा पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए, सौंदर्यकरण को बरकरार रखते हुए बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें। अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने सभी को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के दौरान शहर के प्रमुख मार्ग और सड़क, नाला- नाली, चौराहे एवं धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई , कचरा प्रबंधन एवं नागरिक फीडबैक पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, प्रकाश, जलकल और सफाई व्यवस्था हेतु अवर अभियंता और पटल प्रभारी उपस्थित रहे, इस अवसर पर डीपीएम अमरोहा नदीम अख्तर स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के नेतृत्व में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को सफल बनाने के लिए सफाई नायकों और ड्राइवर को क्षमता संवर्धन हेतु विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया , समस्त सफाई निरीक्षक मोहम्मद इल्तिजा , जगत सिंह एवं साजिद जिया, आईटीसी डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह सहित समस्त सफाई नायक एवं डोर-टू-डोर वाहन चालक उपस्थित रहे।
बैठक का मुख्य उद्देश्य फील्ड में होने वाले मूल्यांकन को सफल बनाना तथा नगर की स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ करना रहा, अच्छे अंक प्राप्त कर शहर अमरोहा को नंबर 1 बनाना है।

ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली लाभार्थियों को किया जाएगा सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्रामोद्योगी इकाईयों तथा विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनान्तर्गत विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त उद्यमी जिनकी इकाईयाँ न्यूनतम 03 वर्ष पूर्व स्थापित व निरन्तर कार्यरत हों, को खादी एवं ग्रामोद्योग पुरस्कार प्रदान किये जायेगें । पुरस्कार हेतु उद्यमियों का चयन जनपद स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा न्यूनतम पूँजी निवेश पर अधिकतम रोजगार प्रदान करने वाली इकाईयों के आधार पर किया जायेगा ।
इन पुरस्कारों के अन्तर्गत राज्य स्तर पर चुने गये प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के उद्यमियों को क्रमशः रू0 40000.00, रू0 30000.00 एवं रू० 20000.00 तथा मण्डल स्तर पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के लिये चयनित उद्यमियों के लिये क्रमशः रू० 15000.00, रू0 12000.00 तथा रू0 10000.00 प्रदान किये जायेगें। विभाग द्वारा संचालित रोजगारपरक योजनाओं में वित्तीय सहायता प्राप्त उद्यमियों एव खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण प्राप्त एसे उद्यमियों जिनकी इकाईयां न्यनतम तीन वर्षों से निरन्तर कार्यरत हैं, को सूचित किया जाता है कि वे पुरस्कार योजना में नामांकन हेतु सादा कागज पर अपना आवेदन, जिसमें (1) नाम व पता (2) योजना का नाम (3) उद्योग का नाम (4) उत्पाद का नाम / प्रकार (5) वित्तपोषण का वर्ष (6) बैंक द्वारा वितरित धनराशि (7) विगत तीन वर्षो का उत्पादन (लाख रुपए में), बिकी (लाख रुपए में) तथा रोजगार संख्या सुस्पष्ट अंकित हो स्वयं प्रमाणित कर इकाई के फोटोग्राफ सहित दिनांक 15.05.2026 तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मालीखेड़ा रोड, मोहल्ला पुष्करनगर, अमरोहा में जमा कर सकते हैं।

हाईटेंशन लाइन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो शातिर गिरफ्तार

215 किलो तार, 2.52 लाख नकद व दो कार बरामद, नेटवर्क की जांच तेज

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत व क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ० प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना बहजोई पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने भारतीय विद्युत अधिनियम के तहत पंजीकृत मुकदमे का सफल अनावरण करते हुए अंतरार्जीय हाईटेंशन लाइन चोरी करने वाले गिरोह के दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में जमशेद आलम (28) पुत्र नफीसुद्दीन व शाहिल (25) पुत्र मुईनुद्दीन शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किया गया बिजली डॉग कंडक्टर (लाइन तार) कुल 13 बंडल (करीब 215 किलोग्राम), चोरी कर बेचे गए माल के 2,52,000 नकद, दो मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त दो कार बरामद की हैं। दोनों आरोपियों को ग्राम बिसारू और राजपुर के बीच गंगा एक्सप्रेसवे के नीचे बनी पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। मामले में पीड़ित लखपत सिंह, अवर अभियंता उपकेंद्र किरारी (जनपद बुलंदशहर) द्वारा 2 मई को तहरीर दी गई थी, जिसमें अप्रैल माह में विभिन्न स्थानों से बिजली की सरकारी लाइनों के तार चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके आधार पर थाना बहजोई में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली से कारों द्वारा सम्भल आते थे और सुनसान स्थानों पर बंद पड़ी विद्युत लाइनों की रेकी कर रात में खंभों पर चढ़कर कटर से तार काट लेते थे। इसके बाद तारों को बंडल बनाकर छिपा देते और मौका देखकर कारों से दिल्ली ले जाकर 180झ 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेच देते थे।

अभियुक्तों ने यह भी बताया कि चोरी का माल दानिश उर्फ मुनशाद पुत्र रहीसुद्दीन को बेचा जाता था, जिसकी तलाश जारी है। गिरोह द्वारा सम्भल समेत अन्य जनपदों में करीब 1500झ2000 किलोग्राम तार चोरी कर बेचे जाने की बात सामने आई है। साथ ही हरियाणा राज्य के क्षेत्रों में भी इस प्रकार की घटनाएं करने की जानकारी मिली है।

पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और मामले की गहन जांच जारी है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

भीषण सड़क हादसा,तेज रफ्तार डबल डेकर बस खड़े ट्रक में घुसी 26 घायल

नींद की झपकी बनी वजह,गंभीर घायलों को हायर सेंटर किया गया रेफर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- बदायूं जनपद के थाना इस्लामनगर क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर चन्दौई टोल प्लाजा के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां तेज रफ्तार डबल डेकर बस खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और चारों ओर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आनन-फानन में घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई में भर्ती कराया गया। हादसे में लगभग 26 यात्री घायल हुए हैं। सीएमओ तरुण पाठक के अनुसार, सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। जिनकी हालत गंभीर थी, उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है, जबकि अन्य का इलाज सीएचसी बहजोई में जारी है। बताया जा रहा है कि डबल डेकर बस लुधियाना से उन्नाव की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस चालक को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। बस की रफ्तार भी काफी तेज बताई जा रही है, जिससे टक्कर इतनी जोरदार हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

गीता ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर विश्व रूप दर्शन योग का भावपूर्ण व्याख्यान, भक्ति को सेवा से जोड़ने का संदेश

सम्भल (सब का सपना):- गीता ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 11 विश्व रूप दर्शन योग का श्रद्धापूर्वक संपूर्ण पाठ एवं व्याख्यान संपन्न हुआ। इस अवसर पर गीता व्यास स्वामी कृष्णानंद महाराज ने भगवान के विराट स्वरूप का भावपूर्ण एवं गूढ़ वर्णन करते हुए कहा कि संपूर्ण सृष्टि ही भगवान का प्रत्यक्ष विश्वरूप है। उन्होंने बताया कि यह संसार जिसमें परिवार, समाज, प्रदेश, राष्ट्र एवं समस्त जड़-चेतन जगत शामिल हैं भगवान के विराट स्वरूप का विस्तार है। इसलिए इस सृष्टि के प्रति सेवा, संरक्षण और कर्तव्य पालन ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।

स्वामी कृष्णानंद ने भक्ति के वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि सच्चा भक्त वही है, जो निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करता है और अपने कर्मों को लोक कल्याण के लिए समर्पित करता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में भक्ति को केवल भजन-कीर्तन और मंदिर दर्शन तक सीमित कर दिया गया है, जबकि वास्तविक भक्ति इससे कहीं व्यापक है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे भक्ति की संकीर्ण परिभाषा से ऊपर उठकर राष्ट्र भक्ति, समाज भक्ति और परिवार भक्ति को अपने जीवन में अपनाएं। कर्मयोग के माध्यम से इन सभी आयामों का समावेश ही मानव जीवन को सार्थक बनाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्ति, ज्ञान और कर्म के इस समन्वित संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। गीता ज्ञान यज्ञ का यह आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है।

नवागत जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने ली प्रशासनिक समीक्षा बैठक

विकास कार्यों, जनसुनवाई और आईजीआरएस निस्तारण पर दिया विशेष जोर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में नवागत जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की अध्यक्षता में जनपद के समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों, उप जिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की प्रशासनिक व्यवस्था, विकास कार्यों एवं आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की शुरूआत में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने जनपद में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक विभाग अपनी प्रमुख योजनाओं की पीपीटी तैयार करे, जिनकी शासन स्तर पर नियमित समीक्षा होती है। जिलाधिकारी ने विभागवार जनपद की उपलब्धियों एवं लंबित समस्याओं की जानकारी भी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। जनगणना 2027 को लेकर भी जिलाधिकारी ने अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि इसकी तैयारियों की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी अधिकारी एक टीम भावना के साथ कार्य करें, जिससे बेहतर परिणाम सामने आ सकें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरव कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सहित समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रसोई गैस संकट को लेकर आजाद अधिकार सेना का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम भेजा ज्ञापन

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में आजाद अधिकार सेना पार्टी ने महासचिव खिजर गौस उर्फ गौस भैया के नेतृत्व में मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय संभल पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रसोई गैस से जुड़ी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति को प्रत्यावेदन भेजा।

प्रत्यावेदन में संगठन ने देश में रसोई गैस को लेकर उत्पन्न गंभीर समस्याओं को उठाया। इसमें गैस की कमी, आपूर्ति में बाधा, लंबी वेटिंग, कालाबाजारी, कमर्शियल गैस का संकट तथा आम नागरिकों में गैस आपूर्ति को लेकर असुरक्षा और पैनिक जैसी स्थितियों का उल्लेख किया गया।

संगठन ने यह भी बताया कि मई 2026 में 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 933 और 5 किलोग्राम के छोटे सिलेंडर में 261 की बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम जनता और व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। ज्ञापन में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि खराब योजना, दूरदर्शिता की कमी, बफर स्टॉक व बुनियादी ढांचे का अभाव, वैकल्पिक व्यवस्थाओं की कमी, शुरूआती दौर में समस्या को नकारना तथा पारदर्शिता की कमी जैसी खामियां स्थिति को और गंभीर बना रही हैं।

आजाद अधिकार सेना ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस पूरे प्रकरण पर तत्काल श्वेत पत्र जारी किया जाए, सर्वदलीय समिति का गठन किया जाए, रसोई गैस की आपूर्ति को सुचारु किया जाए, कालाबाजारी पर सख्त रोक लगाई जाए तथा गैस की कीमतों में आगे बढ़ोतरी न की जाए।

कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष जरीक मिर्जा, पराग गर्ग, प्रदेश महासचिव खिजर गौस, फैजान, डॉ. सहनावाज चौहान, नौशाद शेख, रागिब, गुलाम रब्बानी, अरमान सैफी, दीपक कुमार, मनोज, उस्मान खान, इलीयास कुरेशी, अफसर खान, आरिफ मसूदी, यामीन तुर्की, फरहान तुर्की, राशीद हुसैन, नासिर खान, दिलशाद, फुरकान अल्वी, समीर अब्बासी, सलीम सलमानी, नौशाद खान सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरसेटी के प्रशिक्षुओं ने वर्मी कम्पोस्ट फार्म का किया भ्रमण, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई द्वारा संचालित डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं को ग्राम दिलगौरा स्थित मोनपाल के वर्मी कम्पोस्ट फार्म पर एक महत्वपूर्ण फील्ड विज़िट कराई गई। यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल से निरंतर संचालित हो रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के लिए तैयार करना है।

फील्ड विज़िट के दौरान प्रशिक्षुओं को वर्मी कम्पोस्ट निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार जैविक अपशिष्ट, गोबर, केंचुओं की सहायता से उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद तैयार की जाती है। साथ ही खाद निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों, रख-रखाव, नमी संतुलन, तापमान नियंत्रण तथा उत्पादन बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

आरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने प्रशिक्षुओं को बताया कि वर्मी कम्पोस्ट न केवल भूमि की उर्वरता बढ़ाता है, बल्कि रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम करता है, जिससे खेती की लागत घटती है और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार का स्वरोजगार ग्रामीण युवाओं के लिए आय का एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

इस अवसर पर डोमेन स्किल ट्रेनर (DST) चंद्रशेखर (पीलीभीत) एवं संकाय सदस्य संतोष कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए उन्हें स्वरोजगार के अवसरों की दिशा में प्रेरित किया और कहा कि सही जानकारी एवं मेहनत के बल पर युवा इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भविष्य में स्वयं का रोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। यह पहल जनपद में रोजगार सृजन और सतत कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ आंदोलन को मिली सफलता, आप नेताओं ने मिठाई बांटकर जताई खुशी

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन के नेतृत्व में 3 मई को सम्भल बिजलीघर पर स्मार्ट मीटर एवं बिजली समस्याओं के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया था। यह प्रदर्शन राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित हुए थे।

आम आदमी पार्टी का दावा है कि जनता के संघर्ष के चलते स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रहे आर्थिक बोझ को लेकर सरकार को पीछे हटना पड़ा है, जिससे इस आंदोलन को एक बड़ी, लेकिन आंशिक सफलता मिली है। पार्टी नेताओं का कहना है कि प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदलना स्थायी समाधान नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक स्मार्ट मीटर के माध्यम से जनता का आर्थिक शोषण पूरी तरह बंद नहीं हो जाता, तब तक आम आदमी पार्टी का आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

इसी आंशिक जीत की खुशी में आम आदमी पार्टी सम्भल के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अयूब और सैयद दानिश ने बदायूं दरवाजा, चौधरी सराय क्षेत्र में मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की और लोगों के साथ इस उपलब्धि को साझा किया।

भारतीय किसान यूनियन भानु ने किया जनहित में रक्त दान

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- गोहावर स्थित भारतीय किसान यूनियन (भानु)के प्रदेश सचिव सत्येंद्र चौहान जी के कार्यालय पर एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे किसान यूनियन के कार्यकताओं द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया तथा रक्तदान किया यह रक्तदान शिविर जानता चैरिटेबल ब्लड बैंक नूरपुर के सहयोग से संपन्न कराया गया जिसमे जानता ब्लड बैंक का स्टाफ डॉ राजकुमार ,डॉ योगेश कुमार ,

मोहम्मद शादान, राहुल कुमार , रोहित कुमार , दीपक कुमार आदि स्टॉप रहा। रक्तदाता ,रक्तबीर -पुष्पराज सिंह चौहान मंडल उपाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन भानु ,साहिल अंसारी,शाहनवाज सिद्दीकी,आरिफ अंसारी,रमन ठाकुर ,शहजाद,विष्णु सिंह , गुलशन चौहान , शुधांशु कुमार ,राजेश कुमार , इंतिजार मलिक ,मोहम्मद सलमान ,मोहम्मद ज़िशान ,संचित कुमार ,अमित कुमार ,मिस्टर अनस , इंतिजार अंसारी, प्रदेश सचिव सत्येंद्र चौहान के द्वारा ब्लड बैंक की टीम को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

दिव्यांग की 'आत्महत्या' की चेतावनी निकली दबाव की रणनीति, पुलिस जांच में पुराना विवाद आया सामने

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नांगल सोती थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने का एक अनूठा मामला सामने आया है। एक दिव्यांग युवक द्वारा खुद को बीमार और पीड़ित बताते हुए 'आत्महत्या' की चेतावनी भरा वीडियो एक्स पर पोस्ट किया गया, जिसने देखते ही देखते प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया। युवक का आरोप था कि स्थानीय पुलिस वर्षों से उसका शोषण कर रही है और दबंगों के साथ मिली हुई है। मानवीर सिंह नामक युवक द्वारा शेयर किए गए वीडियो में वह भावुक होते हुए कहता है कि "एक गरीब, बीमार और दिव्यांग व्यक्ति आत्महत्या करने पर मजबूर है।" उसने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय अधिकारियों ने उसकी पुकार नहीं सुनी। युवक के

अनुसार, नांगल सोती थाने की पुलिस दबंगों और दलालों के प्रभाव में आकर उसका मानसिक और आर्थिक शोषण कर रही है, जिसके कारण वह अपनी पढ़ाई और भविष्य को लेकर चिंतित है। जैसे ही यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई, बिजनौर पुलिस ने तत्काल इसका संज्ञान लिया। पुलिस के आधिकारिक हैंडल से युवक को अपना नाम, पता और संपूर्ण विवरण मैसेज बॉक्स में साझा करने का निर्देश दिया गया ताकि निष्पक्ष जांच की जा सके।

सूत्रों के अनुसार, जब पुलिस ने मामले की गहराई से पड़ताल शुरू की, तो पता चला कि यह दो पक्षों के बीच पुराना व्यक्तिगत विवाद है। पुलिस का कहना है कि युवक ने अपनी मांगों को मनवाने और दूसरे पक्ष पर दबाव बनाने के उद्देश्य से 'आत्महत्या' जैसा संवेदनशील शब्द इस्तेमाल किया। पुलिस की सक्रियता और विवरण मांगने के बाद, युवक ने स्वयं अपनी पोस्ट सोशल मीडिया से हटा ली, जिससे मामले के 'फर्जी' होने की आशंका को बल मिला।

इस घटना के बाद पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत विवादों को सुलझाने के लिए सोशल मीडिया पर आत्महत्या की धमकी देना या पुलिस की छवि खराब करना गंभीर अपराध है। अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित को अपनी बात रखने के लिए विधिक माध्यमों का सहारा लेना चाहिए, न कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर सनसनी फैलानी चाहिए।

आधुनिक समय में सोशल प्रेस क्लब स्योहारा संरक्षक डॉ. वीरेंद्र पुष्पक का कहना है कि मीडिया एक सशक्त माध्यम है, लेकिन इसके जरिए

किरतपुर मंडी में धीमी गेहूं खरीद पर नाराजगी, अधिकारियों को निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए नोडल अधिकारी योगेश कुमार ने भ्रमण के दूसरे दिन मंडी समिति किरतपुर और नजीबाबाद ब्लॉक के ग्राम जालबपुर गुर्जर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

नोडल अधिकारी ने मंडी समिति किरतपुर पहुंचकर गेहूं खरीद व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने किसान पंजीकरण पंजिका और अभिलेखों का अवलोकन करते हुए पाया कि अब तक मात्र 1300 कुंतल गेहूं की खरीद हुई है, जिसे उन्होंने असंतोषजनक बताया। उन्होंने

केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया कि किसानों से संपर्क बढ़ाकर लक्ष्य के अनुरूप खरीद सुनिश्चित की जाए और भुगतान समय से किया जाए।

इसके बाद ग्राम जालबपुर गुर्जर स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया। यहां 62 विद्यार्थियों के सापेक्ष 7 अध्यापक पाए जाने पर उन्होंने असंतुलन पर नाराजगी जताई और अतिरिक्त शिक्षकों को अन्य विद्यालयों में समायोजित करने के निर्देश दिए।

गांव में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान 6 तालाब अनुपयोगी पाए जाने पर नोडल अधिकारी ने मत्स्य पालन शुरू कराने और ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए।

साथ ही जन सेवा केंद्रों द्वारा अधिक शुल्क वसूली की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी खंड विकास अधिकारी को दिए।

पेयजल योजना के तहत सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत न होने पर उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए इस माह के अंत तक सभी सड़कों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

नोडल अधिकारी ने ग्राम प्रधान और ग्रामीणों की जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और रोजगार दोनों पर ध्यान देकर गांव के समग्र विकास को गति दी जा सकती है।

शिक्षामित्रों को मानदेय बढ़ोतरी का तोहफा, सम्मान समारोह में वितरित किए चेक

अधिकारियों ने समयबद्ध अनुपालन के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण मंगलवार को नजीबाबाद रोड स्थित कृष्णा फार्म हाउस में देखा गया। कार्यक्रम में जनपद के शिक्षामित्रों को मानदेय बढ़ोतरी के उपलक्ष्य में चेक वितरित कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विधायक अशोक राणा, ओम कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह तथा जिलाधिकारी जसजीत कौर की गरिमामय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षामित्रों की मानदेय बढ़ोतरी लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने शिक्षामित्रों को बेसिक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनके हितों के प्रति सरकार पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि बढ़े हुए मानदेय से संबंधित शासनादेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए। साथ ही विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने के लिए नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान, पर्यावरण और नवाचार से जुड़े विभिन्न शैक्षिक मॉडल प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना, पूर्व विधायक श्रीमती कमलेश सैनी सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

मानदेय बढ़ोतरी के साथ शिक्षामित्रों का सम्मान न केवल उनके मनोबल को बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है, बल्कि इससे जनपद की बेसिक शिक्षा व्यवस्था को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

अवध शुगर मिल में उमड़ा 'श्रमिक आरोग्य मेला

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर 100 से अधिक कामगारों की हुई मुफ्त स्वास्थ्य जांच

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विशेष सप्ताह के अंतर्गत, आज अवध शुगर मिल लिमिटेड (यूनिट स्योहारा) के परिसर में खुशहाली और सेहत की नई किरण दिखाई दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डॉ. कौशलेंद्र सिंह के आदेशानुसार, मिल में एक भव्य 'श्रमिक आरोग्य स्वास्थ्य मेले' का आयोजन किया गया, जिसमें श्रमिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मिल के शुगर और पावर यूनिट के 100 से अधिक श्रमिकों, कर्मचारियों और उनके परिजनों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में केवल सामान्य

जांच ही नहीं, बल्कि आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रदान की गईं। प्रमुख जांचें जैसे शुगर, ब्लड प्रेशर, टीबी स्क्रीनिंग और नेत्र परीक्षण।बाल स्वास्थ्य में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका आवश्यक टीकाकरण किया गया। डिजिटल स्वास्थ्य में मौके पर ही आयुष्मान कार्ड और 'आभा आईडी' (ABHA ID) बनाने की सुविधा भी दी गई। परामर्श के साथ-साथ जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं।

शुभारंभ इकाई के प्रमुख एवं अधिशाषी अध्यक्ष चौधरी सुखवीर सिंह के साथ सुशील कुमार उपाध्याय, मुकेश मिश्रा, दिनेश कुमार, जे.के. सिंह, विवेक श्रीवास्तव (HR), प्रमोद कुमार, राजेश शर्मा, अरविंद कुमार और मिल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। स्वास्थ्य टीम में डॉ. हासिम, डॉ. श्वेता, डॉ. राकेश, डॉ. तृप्ति पांडे, स्टाफ नर्स चित्रा चौहान, फार्मासिस्ट हरीश कुमार, हेल्थ इंस्पेक्टर राजेश कुमार, राहुल कुमार, एलटी रियाज, नेत्र सहायक उमेश कुमार और सुमित कुमार ने अपनी सेवाएं देकर शिविर को सफल बनाया।

शिविर के समापन पर अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए भावुक अपील की। उन्होंने कहा, "मजदूर देश की रीढ़ हैं। आपकी मेहनत तभी सार्थक है जब आप स्वस्थ रहें।" उन्होंने सभी को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।मिल के अधिकारियों और श्रमिकों ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे श्रमिक कल्याण की दिशा में एक बड़ा और सराहनीय कदम बताया।

नवागत जिलाधिकारी ने संभाला पदभार, कल्कि मंदिर में पूजा-अर्चना कर की शुरूआत

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- नवागत जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने मंगलवार को सम्भल पहुंचकर अपने कार्यभार ग्रहण करने से पहले मोहल्ला कोट पूर्वी स्थित प्राचीन कल्कि मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान कल्कि के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया और जनपद की सुख-समृद्धि की कामना की।

इसके उपरांत जिलाधिकारी पुरानी तहसील स्थित वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां द्वितालक कक्ष में आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर उन्होंने विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।उन्होंने अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी प्रवीण कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, तहसीलदार सम्भल धीरेन्द्र सिंह, लेखाकार अपूर्व वंसल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस का जागरूकता अभियान, ओवरलोडिंग व मोबाइल उपयोग पर सख्त चेतावनी

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा कस्बा चन्दौसी में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस टीम ने चालकों को सख्त हिदायत दी कि वे अपने वाहनों में

क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं और निर्धारित यातायात नियमों का पूर्णत पालन करें। साथ ही यह भी समझाया गया कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

अभियान के दौरान चालकों को बताया गया कि उनके वाहन में बैठी प्रत्येक सवारी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उन्हीं की है, इसलिए वाहन हमेशा सावधानी और सतर्कता के साथ चलाएं। यातायात पुलिस ने नियमों के पालन को लेकर सख्ती बरतने के संकेत भी दिए हैं, ताकि सड़क हादसों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

संभल बनेगा नया 'स्पिरिचुअल हब', प्रदेश सरकार वंश गोपाल तीर्थ के विकास के लिए 4.5 करोड़ रुपए की मंजूरी

वंश गोपाल तीर्थ के विकास से चमकेगा 'कल्कि धाम' संभल का पर्यटन परिदृश्य:- जयवीर सिंह

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार संभल को अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और मथुरा के बाद नए तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में संभल के 24 परिक्रमा मार्ग स्थित प्रमुख धार्मिक स्थल वंश गोपाल तीर्थ के पर्यटन विकास के लिए 4.50 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी देते हुए, 3.37 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की गई है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप वंश गोपाल तीर्थ धाम सहित संभल के प्राचीन विरासत-धरोहरों का संरक्षण और पर्यटन विकास तीव्र गति से किया जा रहा है। बेनीपुर चक स्थित प्राचीन वंश गोपाल तीर्थ से ही 24 कोसी परिक्रमा यात्रा शुरू होकर, वापस यहीं संपन्न होती है। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के तहत संभल के प्राचीन तीर्थों, कूपों और मनोकामना मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों का विकास कराया जा रहा है। इन प्रयासों से न केवल क्षेत्र की धार्मिक महत्ता सुदृढ़ हो रही है, बल्कि जनपद की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान भी मिल रही है।'

वंश गोपाल तीर्थ में ये होंगे विकास कार्य

वंश गोपाल तीर्थ के विकास कार्यों पर व्यापक स्तर पर धनराशि खर्च की जाएगी। परियोजना के तहत सामने की ओर स्वागत द्वार के निर्माण पर 31.67 लाख रुपए और पीछे की ओर 15.60 लाख रुपए व्यय किए जाएंगे। वहीं मल्टीपरपज हॉल के भूतल और प्रथम तल के निर्माण पर 95.67 लाख रुपए, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्री शेड पर 25 लाख रुपए, शौचालय परिसर पर करीब 26 लाख रुपए तथा चेंजिंग रूम के निर्माण पर 7.42 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। स्थल विकास के अंतर्गत पत्थर के गमला चबूतरे, कोटा पत्थर के फर्श और स्टेनलेस स्टील रेलिंग निर्माण आदि पर भी लाखों रुपए खर्च होंगे।

श्री कृष्ण यहीं रुक्मिणी के संग ठहरे थे

संभल के वंश गोपाल तीर्थ को लेकर प्रचलित मान्यता इसे द्वापर युग से जोड़ती है। कहा जाता है कि लगभग 5000 वर्ष पूर्व जब भगवान श्री कृष्ण देवी रुक्मिणी का हरण कर ले जा रहे थे, तब वे यहीं कदंब के वृक्ष के नीचे ठहरे और विश्राम किया। इसी दौरान उन्होंने देवी रुक्मिणी को कलयुग में भगवान श्री कल्कि के रूप में संभल में अवतार लेने का संकेत दिया। मान्यता है कि इसके बाद ब्रह्मा ने यहां गोपालेश्वर महादेव की स्थापना कर इस स्थान को तीर्थ रूप में प्रतिष्ठित किया और परिक्रमा प्रारंभ करने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद दिया। यही कारण है कि संभल की प्रसिद्ध तीर्थ परिक्रमा वंश गोपाल मंदिर से शुरू होकर अंत में यहीं आकर पूरी होती है।

संभल को मिल रहा नव स्वरूप- मंत्री

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'प्रदेश सरकार संभल की पौराणिक आस्था को आधार बनाते हुए महिष्मती नदी सहित प्राकृतिक संसाधनों के पुनरुत्थान और संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही मंदिरों, कूपों, प्राचीन स्थलों तथा सांस्कृतिक केंद्रों को जोड़कर एक स्थायी तीर्थ मार्ग विकसित करने की योजना है। इस पहल में स्थानीय कारीगरों, गाइड्स और अन्य हितधारकों को जोड़कर समुदाय को सशक्त बनाया जाएगा। आध्यात्मिक पर्यटन अवसंरचना का विकास, समुदायों का समावेश, शहरी योजना और बेहतर कनेक्टिविटी सहित अन्य प्रयासों से संभले को नव स्वरूप प्रदान किया जा रहा है।'

'धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित होगा संभल'

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि 'प्रदेश सरकार संभल को प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 24 कोसी परिक्रमा और कल्कि तीर्थ क्षेत्र को एक सशक्त धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना के तहत 68 तीर्थ स्थलों, 19 महा कूपों और 5 प्रमुख तीर्थों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार का कार्य होंगे। इसके साथ ही संभल के मंदिरों, कुंडों और प्राचीन कुओं के जीर्णोद्धार के साथ अन्य आधारभूत विकास कार्य भी कराए जाएंगे।'

भाजपा जिला कार्यसमिति की योजना बैठक संपन्न

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, बुलंदशहर में जिला कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रमुख, पूर्व सांसद एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल सिंह सैनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री दीपक दूल्हेरा द्वारा किया गया। बैठक में विधायक प्रदीप चौधरी, देवेंद्र लोधी, अनिल शर्मा, सी.पी. सिंह लोधी, लक्ष्मी राज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया, क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य नैमपाल सिंह सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि सतपाल सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण वर्ग भाजपा की कार्यपद्धति की आत्मा है। कार्यकताओं के वैचारिक, संगठनात्मक और नेतृत्व कौशल के विकास से ही संगठन मजबूत होता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आगामी जिला प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और प्रशिक्षण वर्ग इस ताकत को और सुदृढ़ करता है। उन्होंने सभी मंडलों, मोर्चों और कार्यकताओं से जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों एवं जिला प्रशिक्षण वर्ग के आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर जिला महामंत्री संतोष वाल्मीकि, नीरज चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मलखान सिंह, हितेश गर्ग, कुलदीप चौधरी, जिला मंत्री गौरव मित्तल, मधुर चौहान, दिव्यांश त्यागी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शशि शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सैंन सविता समाज महासंघ परिवार सोनगरा अलीगढ़ की बैनर तले मेघावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह

बुलंदशहर (सब का सपना):- सविता समाज महासंघ परिवार सोनगरा अलीगढ़ की बैनर तले मेघावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह की अतिथि के रूप में डॉक्टर यतेंद्र कुमार सेन ने दी प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और बताया जीवन में एक कार्य ऐसा है जो सबसे आसान है जिसका नाम है पढ़ाई पढ़ाई करने के लिए किसी भी मेहनत की आवश्यकता नहीं है पड़ेगा बच्चा और मेहनत करेगा उसका पिता अच्छी टेबल देगा अच्छी लाइट देगा अच्छी व्यवस्था देगा और अच्छी डाइट देगा इससे अच्छा काम कोई भी नहीं है लेकिन फिर भी हम इस काम से बचते हैं जबकि हमको पता है की शिक्षा उसे शेरनी का दूध है जिसे पीने के बाद दहाड़ निकलती है शिक्षा सभी तालों की चाबी है शिक्षा के उपरांत ही हम धनवान और गुणवान संस्कार एवं संस्कृति को बचा सकते हैं अच्छा

व्यापार एवं मच्छर रोजगार करने के लिए भी शिक्षा की आवश्यकता मिलेगा भी छात्र बच्चियों से कहा जीवन में कभी भी कोई ऐसा काम मत करना की जिससे तुम्हारे माता-पिता का अपमान हो युवाओं को एकता के साथ संगठन में रहना चाहिए बेरोजगारी खत्म करने के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने चाहिए और माता-पिता एवं बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए कार्यक्रम के अध्यक्षता मदनपाल सिंह सेन ने की जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रशांत सेन किया भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर जी के आदर्शों को भी स्मरण किया गया।

कार्यक्रम का भव्य आयोजन सविता समाज महासंघ के बैनर तले युवा समाजसेवी टीम ने किया। प्रदीप सैन नंदू सैन इस टीम में विनायक सविता (अध्यक्ष), गौतम सैन (उपाध्यक्ष), अर्जुन सविता (सचिव), योगेश सविता (कोषाध्यक्ष), हरिओम बाबू सविता (प्रवक्ता), अजय सविता (सह सचिव), मनीष गौड़ सविता (महामंत्री), अंकित सविता (संयोजक), सूरज वर्मा (प्रमुख कार्यकर्ता), डॉ. गौरव सविता (समन्वयक), जितेन्द्र सविता (प्रमुख सदस्य), सौरभ सविता (सह सलाहकार), पुपेन्द्र सविता (वरिष्ठ सदस्य), श्याम सुंदर सविता (सलाहकार), गोविन्द सविता (वरिष्ठ सदस्य), मनोज सविता (वरिष्ठ सदस्य), सागर सविता (सदस्य), नितिन सविता (सदस्य), आदित्य सविता (सदस्य), सचिन सविता (सदस्य), हिमांशु सविता (सदस्य), अमन सविता (सदस्य) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए समाजहित में निरंतर ऐसे आयोजन करने का संकल्प लिया गया।

स्मार्ट मीटर हटाने के लिए अधिशासी अभियंता का घेराव

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने बन्द करने लगाए गये स्मार्ट मीटर हटाने उनके स्थान पर पुराने इलेट्रिकल मीटर लगाने आदि मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश किसान सभा क्षेत्र कमेटी शिकारपुर के नेतृत्व मे अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड शिकारपुर के समक्ष सैकड़ो महिलाओं ने प्रदर्शन किया और मांगों से सम्बन्धित ज्ञापन सौंपा इस अवसर पर किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव चन्द्रपाल सिंह, ने कहा कि योगी सरकार बिजली को सेठो के हवाले करने के लिए सरकारी पैसे से बिजली उपभोक्ताओं के घरों दुकानों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर स्मार्ट मीटर लगा रही है जिन उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर लगा दिये हैं उनके अनाप सनाप बिल आ रहे

है लगाए गये स्मार्ट मीटरों को प्रीपेड मीटर मे बदल दिया गया है जिसके चलते बिजली बिल एक रुपया भी माइनस होने पर बिजली कट जाती है चन्द्रपाल सिंह, ने कहा कि इस समस्या का सिर्फ एक समाधान है कि स्मार्ट मीटर लगाए ही नहीं जाने चाहिए और जहाँ स्मार्ट मीटर लगा दिये गये है उन्हे हटा कर पुराने इलेक्ट्रिकल मीटर फिर से लगाए किसान सभा क्षेत्रीय सचिव जयभगवान शर्मा, ने कहा कि किसानों को मुश्किल से सात घंटे बिजली मिल रही है पर्याप्त बिजली न मिलने भारी गर्मी से खेतों मे खड़ी फसल सूख रही रही है ओवरलोड ट्रांसफार्मर बार-बार डेमेज हो रहे है उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध मे किसान सभा एक जून 2026 को चीफ अभियंता के कार्यालय पर प्रदर्शन किया जायेगा अधिशासी अभियंता बिद्युत वितरण खण्ड शिकारपुर को सौंपा गया ज्ञापन मे स्मार्ट मीटर लगाने बन्द करने लगाए गये स्मार्ट मीटर को हटा कर पुराने इलेट्रिकल मीटर लगाए जाने बिजली का निजीकरण बन्द करने उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली निशुल्क देने किसानों को कम से कम 18 घंटे बिजली देने ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने गाँवों मे लगी हाई टेंशन लाइनों को हटा कर एल टी लाइन के ए.बी.सी. केबिल लगाने आदि मांगे रखी गयी थी प्रदर्शन मुजीब, वीरपाल सिंह, समीना, मुन्नी देवी, शमा परबीन, आरती, कमलेश देवी, जसबीर सिंह, आदि मौजूद रहे ।

पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक जीत पर मिठाई बांटकर जीत की खुशी मनाई

बुलंदशहर (सब का सपना):- पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत का आज सिकंदराबाद में विधायक लक्ष्मीराज सिंह के कैंप कार्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक जीत की खुशी में विधायक जी ने सभी कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों को बधाई दी और सबका मुंह मीठा कराया।

इस अवसर पर विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने कहा कि यह जीत जनता के

अटूट विश्वास और कार्यकताओं के कड़े परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने विकासवाद की राजनीति को चुना है और यह परिणाम आने वाले समय में एक नए राजनैतिक युग की शुरूआत करेंगे। कैंप कार्यालय पर उपस्थित कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ अपनी खुशी जाहिर की। विधायक जी ने स्वयं सभी को मिठाई खिलाकर इस विजय उत्सव की बधाई दी। इस दौरान भारी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यह किसी पार्टी की नहीं, पूरे हिंदू समाज की जीत- सर्वेश राणा

तीन राज्यों में हिंदुत्व की जीत पर शिवसेना जिला कार्यालय में जश्न, कार्यकताओं ने बांटी मिठाई

बुलन्दशहर (सब का सपना):- पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों में हिंदूवादी विचारधारा की सरकार बनने पर शिवसेना जिला कार्यालय में उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर पार्टी के सभी प्रमुख पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी और खुशी जाहिर की।

कार्यक्रम के दौरान सर्वेश राणा जिला अध्यक्ष शिवसेना ने कहा कि यह जीत केवल किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज की जीत है। उन्होंने इसे गर्व का क्षण

बताते हुए कहा कि देश में हिंदुत्व की विचारधारा को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा, महिला मोर्चा की जिला प्रभारी सरोज रानी, भवानी सेना की जिला अध्यक्ष नीलम भाटी, महिला मोर्चा की जिला संयोजक उषा राजपूत, गीता दुग्गल, दानवीर प्रधान, जिला प्रभारी काशीम सहित कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुटता का संदेश देते हुए भविष्य में भी संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

शिकारपुर के वरिष्ठ सपा नेता राकेश शर्मा हलपुरा का निधन नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शोक की लहर

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के कद्दावर नेता और पूर्व ब्लॉक प्रमुख कुसुम शर्मा के पति राकेश शर्मा हलपुरा का मगंलवार को दुखद निधन हो गया वे पिछले लम्बे समय से कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी से जूझ रहे थे उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे नगर व ग्रामीण क्षेत्रों और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राकेश शर्मा का इलाज दिल्ली के मेदांता अस्पताल में चल रहा था पिछले कुछ दिनों से उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी

जिसके कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था मगंलवार को करीब 10:30 बजे उन्होंने अन्तिम सांस ली। जुझारू व्यक्तित्व और सामाजिक पहचान राकेश शर्मा की गिनती समाजवादी पार्टी के बेहद निष्ठावान, कर्मठ और जुझारू नेताओं में होती थी। राजनीति के साथ-साथ ब्राह्मण समाज और सर्वसमाज में भी उनकी गहरी लोकप्रियता थी उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में जाना जाता था जो हमेशा जनता की समस्याओं के लिए तत्पर रहते थे।

अन्तिम संस्कार के लिए राकेश शर्मा के पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान लाया जा रहा है जानकारी के अनुसार बुधवार को अन्तिम संस्कार सुबह 10:00 बजे उनके पैतृक गांव हलपुरा में किया जाएगा। अन्तिम विदाई में नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के तमाम गणमान्य नागरिकों और राजनीतिक हस्तियों के जुटने की सम्भावना है।

बड़े दुख के साथ अवगत कराना है पूर्व ब्लॉक प्रमुख कुसुम शर्मा के पति राकेश शर्मा हलपुरा का स्वर्गवास हो गया है।उनका अन्तिम संस्कार बुधवार कि सुबह 10:00 बजे गांव हलपुरा में किया जाएगा। 2016 से 2021 तक पंचवर्षीय योजना में पत्नी कुसुम शर्मा ब्लॉक प्रमुख रही है।

पूर्व प्रधान की संदिग्ध परिस्थिति में मौत फोरेसिंक की टीम मौके पर

हत्या या आत्महत्या की जांच में जुटी डिबाई पुलिस

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- डिबाई तहसील क्षेत्र के गांव असदपुर घेड़ में पूर्व प्रधान दिगंबर सिंह पुत्र थान सिंह (उम्र लगभग87- 88 वर्ष) ककी संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया।

बताया जा रहा है कि मृतक दिगम्बर सिंह 2010 से 2015 तक असदपुर घेड के ग्राम प्रधान रहे थे।परिवार में उनकी तीन पुत्रियां और दो पुत्र हैं तथा सभी विवाहित बताए जा रहे हैं।

दिगम्बर सिंह अचेत अवस्था में अपने घेर में पड़े मिले थे जिन्हें परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी डिबाई पुलिस

को दी गई तो डिबाई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए बुलंदशहर से फील्ड यूनिट (फोरेंसिक टीम) को भी जांच के लिए मौके पर बुलाया गया

फोरेसिंक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए

पुलिस जांच पुलिस ने अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की बात कही है।

पुलिस के अनुसार, परिजनों ने पूछताछ में बताया कि दिगंबर सिंह पिछले काफी समय से अवसाद से ग्रसित थे। साथ ही करीब 8 दिन पूर्व उनके नाती-दामाद की मृत्यु हो जाने के बाद से वह काफी गुमसुम रहने लगे थे और किसी से बातचीत नहीं कर रहे थे। परिजनों ने यह भी बताया कि वह लंबे समय से पेट की बीमारी से भी पीड़ित थे।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी मधुप कुमार सिंह,कोतवाली प्रभारी विशाल प्रताप सिंह चौहान,हल्का इंचार्ज प्रवीण माथुर सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारण और समय की पुष्टि हो सकेगी।

शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 से बढ़कर 18,000, जनपद स्तरीय कार्यक्रम में सम्मान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर विकास भवन सभागार में शिक्षामित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने प्रतिभाग किया। इस दौरान योगी आदित्यनाथ के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह से हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

मुख्य अतिथि ने बताया कि शिक्षामित्रों का मानदेय ड्ड10,000 से बढ़ाकर ड्ड18,000 प्रतिमाह किया गया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू है।

उन्होंने इसे शिक्षामित्रों के परिश्रम का सम्मान बताया।

कार्यक्रम में चयनित शिक्षामित्रों को प्रतीकात्मक चेक देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षण सामग्री के स्टॉलों का निरीक्षण कर नवाचारों की सराहना की गई।इस अवसर पर जिलाधिकारी कुमार हर्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया, सीडीओ निशा ग्रेवाल सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी पुलिस के चार सिपाही और वादी की मौत, अपहरण केस में दबिश देने गई थी टीम; सीएम ने जताया शोक

जालौन (एजेंसी) हरियाणा के केएमपी एक्सप्रेसवे पर स्कॉर्पियो के अनियंत्रित होने से हुए हादसे में चार पुलिस कर्मियों समेत वदी की मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुबह धुलावट टोल प्लाजा के पास ओवरटेक करने की कोशिश के दौरान हुआ। अपहरण के एक मामले में कार्रवाई करने हरियाणा गई कोतवाली उरई पुलिस टीम मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। नूंह जनपद के तावडू सदर थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे में चार पुलिसकर्मियों समेत एक वादी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली उरई में दर्ज एक अपहरण मामले में अपहृत व्यक्ति की बरामदगी के लिए पुलिस टीम हरियाणा रवाना हुई थी। टीम आरोपियों की तलाश में तावडू क्षेत्र पहुंची थी, तभी

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। ओवरटेक करने के चक्कर में हुआ हादसा बताया जा रहा है कि ओवरटेक के दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रहे वाहन से टकरा गया, जिससे यह दर्दनाक दुर्घटना हुई। हादसे में उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, आरक्षी प्रदीप कुमार (सर्विलांस सेल) और आरक्षी अशोक कुमार (कोतवाली उरई) की मौके पर ही मौत हो गई। क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला इसके अलावा मुकदमे के वादी अमरीक सिंह निवासी संगरूर (पंजाब) ने भी दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। क्षतिग्रस्तवाहन को सड़क से हटवाकर खड़ा कराया गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद उरई समेत पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। एक मामले में कोतवाली की पुलिस टीम हरियाणा में दबिश देने गई थी। हादसे में चार पुलिसकर्मियों व वादी की मौत हुई है। -विनय कुमार सिंह, एसपी जालौन सीएम योगी ने जताया शोक इस दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृत पुलिसकर्मियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हरियाणा सरकार से समन्वय स्थापित कर मृतकों के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उनके परिजनों तक पहुंचाया जाए और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं।

जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना पर जोर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना को बढ़ावा देने के लिए जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में बताया गया कि मकान सूचीकरण से पहले 7 मई से 21 मई 2026 तक आमजन के लिए स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिसमें नागरिक स्वयं जनगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व-गणना के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान, विषयवार दिवस, लक्षित संपर्क और मीडिया के जरिए प्रचार चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी पहले स्वयं स्व-गणना करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। साथ ही ग्राम और नगर स्तर पर हेल्प डेस्क व डिजिटल सुविधा

गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी का जनता दर्शन, सुनी समस्याएं और खिलाया गोवंश को गुड़

लखनऊ (एजेंसी) लखनऊ गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए तथा समीप खड़े अफसरों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मिलने आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए, सरकार हर समस्या का प्रभावी समाधान कराएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी

करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए तथा समीप खड़े अफसरों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और निष्पक्ष होना चाहिए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधित शिकायतजनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्चस्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया। गोशाला में गोवंश को दुलारकर खिलाया गुड़ गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में मुख्यमंत्री ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

नायब सैनी की निगरानी में होगा असम सीएम का चुनाव, बीजेपी ने दी सह-पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का असम में पर्यवेक्षक बनाया गया है। बीजेपी ने अपने आधिकारिक एक्स एकाउंट पर जानकारी देते हुए लिखा, हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने असम में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बंगाल की किसे मिली जिम्मेदारी? वहीं, बीजेपी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार को केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं मोहन चरण माझी, मुख्यमंत्री, ओडिशा सरकार, को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। क्या बोले सीएम सैनी? पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं और पहलों से प्रभावित हैङ्कबंगाल का लंबे समय तक शोषण हुआ है। पहले कम्युनिस्ट आए और उन्होंने ऐसी नीतियां लागू कीं जिनसे रोजगार खत्म हो गया। लोगों को पलायन करना पड़ा और युवाओं को विदेशों में नौकरी तलाशनी पड़ी ममता बनर्जी ने तो जनता पर और भी अत्याचार किएङ्क दंगे हुए, जिस तरह उन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए लोगों की बलि दी। आज बंगाल इन सब चीजों से मुक्त है।

सिंगल पेरेंटिंग और 90 किलोमीटर का सफर', हाईकोर्ट ने महिला को दी सुविधा; तलाक याचिका फिरोजपुर झिरका से फरीदाबाद ट्रांसफर

चंडीगढ़। वैवाहिक विवादों में पत्नी और बच्चे की वास्तविक परिस्थितियों को न्यायिक संवेदनशीलता के साथ महत्व देते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में पति द्वारा दायर तलाक याचिका को फिरोजपुर झिरका (नूंह) से फरीदाबाद ट्रांसफर करने के आदेश दिए। अदालत ने स्पष्ट कहा कि बिना किसी आय के अपने छोटे बच्चे की अकेले परवरिश कर रही महिला के लिए सिंगल पेरेंटिंग बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।जस्टिस अर्चना पुरी ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आवेदक अपने नाबालिग बच्चे की अकेले देखभाल कर रही है, जबकि उसकी अपनी कोई आय नहीं है।ऐसे में उसके लिए 90 किलोमीटर दूर फीरोजपुर झिरका की अदालत में नियमित रूप से पेश होना अत्यंत कठिन होगा। कोर्ट ने माना कि वैवाहिक मामलों में सामान्यत पत्नी की सुविधा को प्राथमिकता दी जाती है, हालांकि यह कोई पूर्ण नियम नहीं है, लेकिन मामले की परिस्थितियां निर्णायक होती हैं।याचिकाकर्ता पत्नी की ओर से अदालत को बताया कि दंपति के बीच वैवाहिक विवाद के कारण दोनों अलग रह रहे हैं।पत्नी अपने नाबालिग बेटे के साथ फरीदाबाद में अपने मायके पर निर्भर है। उसने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ महिला थाना, एनआईटी फरीदाबाद में आईपीसी की धाराओं 323, 406, 498 ए और 34 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई थी, जिसमें चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और पति फरीदाबाद में ट्रायल फेस कर रहा है।अदालत को यह भी बताया गया कि घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत दायर याचिका भी फरीदाबाद में लंबित है। इसके अलावा धारा 125 सीआरपीसी के तहत पत्नी को भरण-पोषण का आदेश उसके पक्ष में मिला, लेकिन पति ने अब तक भुगतान नहीं किया, जिसके चलते निष्पादन याचिका भी फरीदाबाद में चल रही है।कोर्ट ने पाया कि जब पति पहले से ही फरीदाबाद की विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों में पेश हो रहा है, तब तलाक केस को वहीं ट्रांसफर करने में कोई अनुचितता नहीं है। अदालत ने कहा कि महिला पर अनावश्यक यात्रा का बोझ डालना न्यायसंगत नहीं होगा। मामले के अनुसार, दोनों की शादी 18 अक्टूबर 2022 को हुई थी और 3 सितंबर 2023 को पुत्र का जन्म हुआ। फिलहाल बच्चा मां की अभिरक्षा में है। सभी परिस्थितियों, पत्नी की आर्थिक निर्भरता, बच्चे की जिम्मेदारी और न्यायिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने तलाक याचिका को सक्षम फरीदाबाद अदालत में स्थानांतरित करने के निर्देश जारी किए।

गुरुग्राम की पहली मल्टीलेवल पार्किंग शुरू, 15 दिन तक मिलेगी फ्री सुविधा; जल्द तय किया जाएगा पार्किंग शुल्क

गुरुग्राम। नगर निगम की पहली मल्टीलेवल पार्किंग के लिए जल्द शुल्क तय हो जाएगा। नगर निगम इसी महीने एक प्राइवेट एजेंसी को पार्किंग का रखरखाव और संचालन का कार्य सौंपने की तैयारी कर रहा है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। हालांकि मल्टीलेवल पार्किंग को आमजन के लिए खोल दिया गया है, लेकिन यह अस्थायी व्यवस्था है। नगर निगम की टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, जिसके बाद निजी एजेंसी को पार्किंग संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी चयन के साथ ही शुल्क संरचना भी तय कर दी जाएगी, ताकि व्यवस्था को स्थायी रूप से लागू किया जा सके। काम अधूरा, चल रही श्रेय लेने की होड़ दिसंबर 2025 में इस पार्किंग का उद्घाटन सीएम कर चुके हैं। लेकिन स्थानीय विधायक मुकेश शर्मा ने नारियल फोड़कर इस बहुमंजिला पार्किंग का फिर से शुभारंभ कर दिया। टेंडर प्रक्रिया पूरी न होने के कारण यह सुविधा शुरू नहीं हो सकी थी। लंबे समय तक ताला लटका रहने के कारण यह प्रोजेक्ट चर्चा का विषय बना रहा।ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

शहर के व्यस्त बाजारों में पार्किंग की भारी कमी और सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण रोजाना जाम की समस्या बनी रहती है। ऐसे में निगम ने टेंडर प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार किए बिना ही अस्थायी रूप से पार्किंग शुरू करने का निर्णय लिया। इससे बाजार क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बेहतर होने और लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।15 दिन तक मिलेगी फ्री सुविधा शुरूआती चरण में आमजन को राहत देते हुए 15 दिनों तक यहां पार्किंग पूरी तरह निशुल्क रखी गई है। इसका उद्देश्य लोगों को नई सुविधा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सड़कों की बजाय निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को मिलेंगे 10 नए जज, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने लगाई मुहर

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में लंबे समय से जजों की भारी कमी के बीच न्यायिक व्यवस्था को बड़ी राहत मिली है। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के लिए 10 वकीलों को जज नियुक्त किए जाने की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब हाई कोर्ट की स्वीकृत क्षमता 85 जजों की है, लेकिन वर्तमान में केवल 58 जज ही कार्यरत हैं, जिससे अदालत पर मामलों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इन नामों को दी गई मंजूरी

कॉलेजियम ने जिन दस वकीलों के नामों को स्वीकृति दी है, उनमें हरियाणा के एडवोकेट जनरल प्रविंद्र सिंह चौहान के अलावा मोनिका छिब्बर शर्मा, हरमीत सिंह देओल, पूजा चोपड़ा, सुनीश बिंदलिश, नवदीप सिंह, दिव्या शर्मा, रविंदर मलिक राजेश गौड़ और मिंदरजीत यादव के नामों को भी मंजूरी प्रदान की गई है।पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के मामलों की सुनवाई करने वाले इस हाई कोर्ट में जजों की कमी लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रही है। अदालत में लंबित मामलों की संख्या चार लाख के पार पहुंच चुकी है।ऐसे में सीमित न्यायिक संसाधनों के कारण न केवल सुनवाई प्रभावित हो रही थी, बल्कि नए मामलों के तेजी से बढ़ते बोझ ने न्यायिक प्रक्रिया की गति पर भी असर डाला।पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट लंबे समय से जजों की कमी और बढ़ते लंबित मामलों की चुनौती से जूझ रहा है। राष्ट्रपति की अधिसूचना से होगी नियुक्ति

न्यायिक पदों पर नई नियुक्तियों से न केवल अदालत की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम नागरिकों को न्याय मिलने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज हो सकेगी।

जानकारों के अनुसार, कॉलेजियम की मंजूरी के बाद अब इन नामों को केंद्र सरकार के पास औपचारिक नियुक्ति प्रक्रिया के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की स्वीकृति और अधिसूचना जारी होने के बाद ये नियुक्तियां प्रभावी होंगी।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की सफलता पर सीएम का जोर, कुरुक्षेत्र में विपक्ष पर भी साधा निशाना

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुवि में आयोजित सशक्त नारी, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्र विषय पर आयोजित सेमिनार में संबोधित करते हुए कहा की यह विषय महत्वपूर्ण है। नारी सशक्त होगी तो ही समाज सशक्त बनेगा। इसी धरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने सर्व मानवजाति के लिए ज्ञान का कर्म का संदेश दिया था। महाभारत का कारण भी एक नारी का अपमान बना था। यह पावन भूमि हमें संदेश देती है जब न्याय की बात हो तो मौन नहीं बैठना चाहिए, निर्णय लेना जरूरी है। आज नारी सशक्तीकरण के लिए आवाज उठाना जरूरी है। संसद में महिलाओं के अधिकारों को कूचलने का प्रयास किया गया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले गुजरात को मॉडल बनाया। अब भारत का मान सम्मान पूरी दुनिया में गूंज रहा है। विकसित भारत के लिय भी 4 स्तंभों पर काम करने की बात कही थी ।इसमे सबसे पहले महिला उसके बाद किसान और तीसरा युवाओं को रखा था।हरियाणा से शुरू हुआ था बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान चौथा गरीब को मजबूत करने की बात कही थी। 2014 में बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान हरियाणा से ही शुरू किया था। आज कई पंचायतों में बेटियों की संख्या ज्यादा है। उन्होने कहा था बेटियां किसी पर निर्भर नहीं, वह आत्मनिर्भर हैं। आज हर क्षेत्र में बेटियां आगे हैं। सेना में, चिकित्सा क्षेत्र में, न्याय के क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने जब नौकरी में सिफारिश को बंद किया तो आज योग्यता के दम पर महिला शक्ति आगे आ रही है। हर 20 किलोमीटर पर बेटियों को एक राजकीय महाविद्यालय बनाया गया है। हमने एक दिन का विशेष सत्र बुलाया था की संसद में विपक्ष ने इसे पास नहीं होने दिया था। इसी को लेकर हमने सत्र बुलाया, लेकिन विपक्ष आया ही नहीं बाहर ही बैठ गए।

चुनावी रण के लिए पंचकूला पुलिस मुस्तैद, संवेदनशील बूथों पर रहेगा कमांडो का पहरा; 1200 जवान तैनात

पंचकूला। नगर निगम चुनाव के लिए 10 मई (रविवार) को मतदान होगा। चुनाव निष्पक्ष, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पंचकूला पुलिस ने कमर कस ली है। सोमवार को सेक्टर-4 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज की अध्यक्षता में एक रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक में चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा तैयार करते हुए सभी अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए ताकि जिले में कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके।पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज ने बताया कि चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए करीब 1200 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिले के कुल 85 लोकेशन पर 204 बूथों पर मतदान होना है। सभी बूथों पर पुलिस की कड़ी निगरानी सभी बूथों पर पुलिस की कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करवाया जाएगा ताकि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित रह सके। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने संवेदनशील और अति-संवेदनशील बूथों को चिह्नित कर लिया है। इसमें 21 लोकेशन के 36 बूथों को संवेदनशील और 21 लोकेशन के 59 बूथों को अति-संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहाँ अतिरिक्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी और स्वैट कमांडो की तैनाती की जाएगी।किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए चार टीयर गैस टीमें भी रिजर्व रखी गई हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। जिले की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए पांच इंटर-स्टेट बार्डर नाकों पर 24 घंटे कड़ा पहरा लगा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर चुनाव से 48 घंटे पहले 20 विशेष नाके स्थापित किए जाएंगे। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस कर्मियों को 55 बाडी कैमरों से लैस किया गया है ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। चुनाव के दौरान 12 पेट्रोलिंग टीमें लगातार गश्त करेंगी, जबकि ईआरवी, राइडर और पीसीआर वाहन भी हर पल मुस्तैद रहेंगे। धारा 163 के तहत हथियारों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एसीपी व थाना प्रभारियों द्वारा शस्त्र जमा कराने की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी की जा रही है। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि आचार संहिता लागू होने के बाद से ही पुलिस की विभिन्न टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। अब तक की कार्रवाई में 538 ग्राम हेरोइन, 1.154 किलो चरस, 607 ग्राम अफीम, 18 किलो से अधिक चूरापोस्त और 180 पेटी अवैध शराब जब्त की गई है।

सूरजकुंड झूला हादसा: सुनामी झूले का मालिक शुभम गुप्ता गिरफ्तार, बिना सर्टिफिकेट लगा था झूला

फरीदाबाद। सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में सात फरवरी को सुनामी झूला टूटने से हुए हादसे की जांच करते हुए एसआइटी ने झूला के मालिक मेरठ निवासी शुभम गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक झूला एजेंसी मालिक मोहम्मद शाकिर, मैनेजर नितेश व झूला ऑपरेटर अदनान सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सात फरवरी को सूरजकुंड मेले के दौरान हुए इस हादसे में पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई थी, जबकि 12 लोग घायल हुए थे। मामले की जांच के लिए पुलिस आयुक्त ने एसआइटी गठित की थी। हादसे के बाद झूला एजेंसी के मालिक व संचालकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसे बाद में लापरवाही से मौत में तब्दील कर दिया गया है। एसआइटी इस मामले में अदालत में चालान पेश कर चुकी है। शुभम गुप्ता से पूछताछ के बाद सप्लीमेंट्री चालान पेश किया जाएगा।एसआइटी सूत्रों ने बताया कि झूला के मुख्य मालिक मेरठ निवासी शुभम गुप्ता को जांच में शामिल होने के लिए कई नोटिस दिए गए थे, मगर वह जांच में शामिल नहीं हो रहा था, अब उसे गिरफ्तार किया गया है। एसआइटी के अनुसार मेरठ सदर कैंट निवासी शुभम गुप्ता ने खतौली निवासी रहीस खान से 40 लाख रुपये में यह झूला बनवाया था।शुभम गुप्ता झूले बनवाकर लोगों को किराये पर देता है। पर्यटन विभाग से टेंडर हासिल करने वाले ठेकेदार मोहम्मद शाकिर के साथ गिरफ्तार हुआ नितेश कुमार शुभम गुप्ता के लिए मैनेजर का काम करता था। टेंडर हासिल करने के बाद ठेकेदार मोहम्मद शाकिर ने नितेश कुमार से ही संपर्क किया था। नितेश ने ही शुभम गुप्ता से बात कर झूले का इंतजाम किया था। उनके बीच डील हुई थी झूले की टिकट बिक्री से आने वाली राशि में से 60 फीसद हिस्सा ठेकेदार मोहम्मद शाकिर का होगा, वहीं 40 फीसद हिस्सा शुभम गुप्ता का होगा। बिना किसी मैन्युफैक्चरिंग सर्टिफिकेट, फिटनेस जांच या एनओसी के झूला मेले में लगा दिया गया था, इसलिए मालिक को गिरफ्तार किया गया है।

हिसार की उकलाना मंडी में भाजपा नेता की गोली से युवक की मौत, 6 घायल; तीन दि पहले पार्टी में हुए थे शामिल

हिसार/उकलाना। जिले के उकलाना मंडी से प्रभुवाला रोड पर सोमवार देर रात दो पक्षों में रंजिश के चलते विवाद हो गया। विवाद में गोली लगने से आदमपुर के भाणा निवासी शुभम की मौत हो गई। वहीं भाणा निवासी जतिन, सदलपुर निवासी मुकेश, बड़ोपल निवासी पवन, बालसमंद निवासी सोनू और सदलपुर निवासी मोनू को भी गोलियां लगी है। इनमें से चार घायलों का हिसार के निजी अस्पताल में और एक का मेडिकल कालेज अग्रोहा में उपचार चल रहा है। वहीं दूसरे पक्ष का भाजपा नेता उकलाना मंडी निवासी प्रदीप भी घायल है और उसका शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रदीप ने 2 मई को ही भाजपा ज्वाइन की थी। पड़ोसी ने सुनाई पूरी कहानी शहर के ऋषि नगर में रहने वाले रोहित ने बताया कि भाणा निवासी शुभम और बालसमंद निवासी सोनू मेरे पास आए हुए थे। सोमवार दोपहर करीब 11 बजे शुभम के पास उसके ताऊ के लड़के बजरंग का फोन आया कि उसके दोस्त पवन उर्फ बेदी का बुड्ढा खेड़ा में झगड़ा हो गया है।कुछ देर के बाद दोनों को बाईपास पर बुलाया। वहां पर बेदी अपने साथियों के साथ बोलोरो गाड़ी में पहुंचा और दोनों को बैठकर बुड्ढा खेड़ा अपने घर ले गया। वहां पर बेदी ने सभी को शराब पिलाई। फिर उसने कहा कि उकलाना मंडी निवासी प्रदीप के साथ मेरी रंजीश चल रही है और उसको सबक सिखाना है।लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग

फिर रात करीब 11 बजे सभी गाड़ी में सवार होकर उकलाना से प्रभुवाला रोड पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने पहुंचे। वहां पर प्रदीप के साथ झगड़ा करने लगे। प्रदीप ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग करनी शुरू कर दी। गोली लगने से शुभम की मौत हो गई और बाकी घायल हो गए। शुभम का मेडिकल कालेज अग्रोहा में पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। उकलाना थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। उकलाना पुलिस ने वारदात स्थल को सील कर दिया है। मौके पर प्रदीप की गाड़ी मिली है। गोलियों के निशान मिले है। उकलाना में नगर पालिका के चुनाव 10 मई को होने है। उससे पहले 7 मई को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दौरा करना है। चुनाव के बीच इस तरह घटना सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर रही है।

फरीदाबाद में सिटी बस सेवा शुभगमन में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

फरीदाबाद। सिटी बस सेवा शुभगमन में लहडौला गांव के पास अचानक आग लग गई। आग से किसी भी यात्री के झुलसने की सूचना नहीं है। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। तब तक बस पूरी तरह से जल चुकी थी। सिटी बस सेवा शुभगमन के फरीदाबाद इंचार्ज अंकित अरोड़ा का कहना है कि बस दोपहर बाद 12 बज कर 50 मिनट पर मंझावली गांव से बल्लभगढ़ बस अड्डे के लिए चली थी। अचानक बस के अंदर से उठा धुआं बस के अंदर छह-सात सवारी बैठी हुई थी। लहडौला गांव के विद्या सागर इंटरनेशनल स्कूल के पास अचानक बस के इंजन में पीछे से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। इस दौरान सभी यात्री, कंडक्टर, चालक नीचे उतर गए। आग लगने के बारे में फायर ब्रिगेड केंद्र को सूचना दे दी। सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी पहुंची। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। बस में आग किस कारण से लगी है, इसके बारे में जांच की जा रही है। इन बसों की समय-समय पर जांच कराते रहते हैं। ताकि किसी तरह परेशानी का सामना न करना पड़े।

फरीदाबाद: 1908 से खेती कर रहे सोतई किसानों की जमीन का मुआवजा किसे? 13 जून को कोर्ट में फैसला

बल्लभगढ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए बल्लभगढ़ से बनाए जा रहे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को लेकर सोतई गांव के किसानों की भूमि के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने उपायुक्त को तलब किया। कोर्ट ने उपायुक्त को 13 जून को जवाब देने के लिए कहा है। उपायुक्त के जवाब देने के बाद ही कोर्ट मुआवजे को लेकर इस मामले में अपना फैसला सुनाएगी। सोतई गांव के किसानों की पट्टी शामलात भूमि है। इस भूमि पर गांव के किसान 1908-09 में हुए बंदोबस्त के समय से खेतीबाड़ी करते आ रहे हैं। अब यहां से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। किसानों की भूमि को एनएचआई अधिग्रहण करना चाहता है। गांव को 2022 में नगर निगम में शामिल किया जा चुका है।भूमि अर्जन अधिकारी व जिला राजस्व अधिकारी ने किसानों को भूमि का मुआवजा देने की बजाय निगम को मुआवजा देने के आदेश दे दिए। क्योंकि गांव की पंचायती व देहशामलात भूमि का मालिक निगम बन गया। जब किसान और निगम दोनों के बीच भूमि के स्वामित्व को लेकर विवाद पैदा हो गया तो भूमि अर्जन अधिकारी ने यह मामला कोर्ट में दायर कर दिया और मुआवजा सरकारी खजाने में जमा करा दिया।ताकि कोर्ट जो फैसला करे उसके अनुसार मुआवजा दे दिया जाए।

अब इस मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की कोर्ट सुनवाई कर रही है। इस मामले में कोर्ट ने सुनवाई की और अगली तारीख सुनवाई के लिए 13 जून तय की है। एनएचएआइ ने कब्जा लेने का किया था प्रयास एनएचएआइ ने किसानों की भूमि पर कब्जा लेने का प्रयास किया था। पुलिस बल भी लेकर गए। किसानों ने एनएचएआइ को अपनी भूमि का कब्जा नहीं दिया। अब कोर्ट ने इस मामले फैसला न होने तक कब्जा लेने की कार्रवाई करने से रोक दिया है। इस मामले में जब कोर्ट कोई फैसला कर देगा तो तभी एनएचएआइ को किसान अपनी भूमि का कब्जा दे देंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और केजीपी से बेहतर होगी सोहना की कनेक्टिविटी, 30 करोड़ से 4 लेन बनेगा आरओबी

बल्लभगढ़। सोहना आरओबी को चार लेन बनाने के लिए पिलर बनाने का काम हवन के साथ शुरू किया गया। पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा समेत शहर के सभी पार्षदों ने भाग लिया। परियोजना को हरियाणा सड़क एवं पुल निर्माण निगम 30 करोड़ रुपये की लागत से बनाएगा। इसकी चौड़ाई साढ़े 10 मीटर और लंबाई 870 मीटर होगी। यहां पर दो लेन आरओबी पहले से ही बना हुआ है। अब दो लेन और बनाने के लिए पिलर को लेकर यहां पर भूमि पूजन भी किया गया। विधायक शर्मा ने कहा कि सोहना आरओबी के चार लेन बन जाने के बाद लोगों को सोहना, गुरुग्राम आने-जाने लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। डीएमई और केजीपी से कनेक्टिविटी होगी बेहतर

औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-24,25, 55 में चल रही फैक्ट्रियों के सामान को भारी वाहन आसानी से राजमार्ग, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और केजीपी पर ले जा सकेंगे। उन्होंने परियोजना को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय शहरी आवास व उर्जा मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का आभार व्यक्ति किया।उन्होंने कहा कि जब सोहना आरओबी को दो लेन बनाया गया, तब वह सरकार में एचएसएससी के सदस्य थे। अब वह विधायक हैं। इस तरह से उन्हें दोनों बार पुल को बनवाने का सौभाग्य मिला है। इस मौके पर एचएसआरडीसी के उपमंडल अधिकारी संदीप कुंमार, कनिष्ठ अभियंता राजकुमार, भाजपा नेता टिपरचंद, भाजपा के मंडल अध्यक्षों में कुलदीप मथारू, गौरव विरमानी, विपिन त्यागी, स्थानीय पार्षदों में रवि भगत, महेश गोयल, सोनू वैष्णव, योगेश शर्मा, मार्केट कमेटी के चेयरमैन संजीव बैसला मौजूद थे।

भूत-बंगला ने बदली वामिका गब्बी की किस्मत

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की कॉमेडी से भरी फिल्म 'भूत-बंगला' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है और यह वामिका गब्बी की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। अभिनेत्री ने फिल्म के 100 करोड़ से अधिक की कमाई पर खुशी जाहिर की है और फिल्म के मेकर्स और को-स्टार को दिल से धन्यवाद दिया है। वामिका गब्बी ने फिल्म भूत-बंगला में अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया है और फिल्म की कमाई की रफ्तार से अभिनेत्री काफी खुश हैं क्योंकि यह उनके करियर की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की अनसीन फोटोज को शेयर कर अपने को-स्टार और क्रू मेंबर्स को दिल से धन्यवाद दिया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस फोटोज को शेयर कर लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन सर, अक्षय कुमार, एकता कपूर और एफ.ए.ए.आर.ए. के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ इसमें लगा दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'यहां तक का हर कदम मेहनत, सीख और गहरी भावनाओं से भरा है। यह तो बस शुरुआत है... मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी... हमेशा।' बता दें कि वामिका गब्बी की झोली में पांच फिल्में हैं, जो आने वाले सालों में रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री मिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी,' दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग,' 'पति पत्नी और वो दो', पंजाबी फिल्म 'किकली,' और एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कुछ फिल्में इसी साल तो कुछ फिल्में साल 2027 में रिलीज होने वाली हैं।

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में, हॉलीवुड तक के सफर पर बोलीं अभिनेत्री

बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है। 'गरम मसाला', 'ट्रैफिक सिग्नल' और 'ओए लकी! लकी ओए!' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बिहार से निकलकर बॉलीवुड और फिर हॉलीवुड तक के सफर के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और 'अनावश्यक' बाहरी दिखावे पर। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, 'मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।'

अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, 'आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं। मेरे पास 'एयरपोर्ट लुक्स' के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं।' अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, 'इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लड़ना आसान नहीं होता।' एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में और काम के मामले में उनका मकसद हमेशा साफ रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरी जिंदगी का मकसद, मेरा लक्ष्य, हमेशा अच्छा काम करते रहना और दर्शकों का प्यार पाते रहना रहा है। मैं इसी प्यार की वजह से यहां हूं।' बताते चलें कि नीतू चंद्रा आने वाली फिल्म 'खलनायक 2' में संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी संग काम करके खुश हैं अदा शर्मा

अदा शर्मा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब दोनों सितारे पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म से मनोज और अदा का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। हाल ही में अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। अदा शर्मा ने आगामी फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने कहा , 'मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं'। उन्होंने मनोज बाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है कि वे उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं।

अदा शर्मा ने मनोज के साथ पहली बार काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, 'वह इस फिल्म का चेहरा हैं। 'गवर्नर' में वह गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, और वे वाकई जबर्दस्त हैं'। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उनके साथ काम करके अच्छा लग रहा है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा-खासा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा रोल है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया है'।

रेसिज्म पर बोले नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्मों में अपनी दमदार और अलग-अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। अब हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड में होने वाले रेसिज्म और ब्यूटी स्टैंडर्ड्स पर खुलकर अपनी राय दी। साथ ही उन्होंने एक पुरानी एक्ट्रेस का उदाहरण देते हुए इस बात को समझाया। एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने अपने करियर में रेसिज्म का सामना किया है, लेकिन उनका मानना है कि इंडस्ट्री ने उन्हें अपने तरीके से जगह भी दी। इस दौरान उन्होंने दिग्गज एक्ट्रेस स्मिता पाटिल की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने उनसे ज्यादा खूबसूरत किसी को नहीं देखा। उन्होंने कहा कि फिल्मों में खूबसूरती और कास्टिंग को लेकर जो सोच है, वो काफी हद तक कहानियों से ही आती है। उन्होंने समझाया कि अक्सर इंडस्ट्री में पहले से तय होता है कि किरदार कैसा दिखना चाहिए। नवाजुद्दीन ने कहा, 'लोगों की अपनी सोच होती है, लेकिन उसे सिस्टम में मत डालिए। अगर कोई लड़की ऐसी है, तो वो लीड नहीं बन सकती, ऐसा नहीं होना चाहिए। लेकिन इसमें उनकी भी गलती नहीं है, क्योंकि कहानियां ही ऐसी लिखी जाती हैं। गोरी लड़की के हिसाब से कहानियां बनाई जाती हैं। आपको एक ब्रीफ मिलता है और बहुत लोग इसी से जूझ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि खूबसूरती हर जगह अलग-अलग तरह से देखी जाती है और इन टैग्स से किसी एक्टर की काबिलियत तय नहीं होनी चाहिए। इसी दौरान नवाजुद्दीन ने स्मिता पाटिल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें कैमरे पर उनसे ज्यादा खूबसूरत कोई नहीं लगा। उनके मुताबिक, कैमरे की अपनी एक अलग भाषा होती है, जिसमें असली खूबसूरती नजर आती है।

मैं हमेशा अपनी अभिनय क्षमता को निखारने की कोशिश करती हूं

साउथ की अभिनेत्री ममिता बैजू फिल्म 'कारा' में धनुष के साथ नजर आ रही हैं। पिछले कुछ वर्षों से तमिल दर्शक, फिल्ममेकर्स से यह मांग कर रहे हैं कि वे मुख्य भूमिकाओं में क्षेत्रीय कलाकारों को ही कास्ट करें। इस बीच विग्नेश राजा को इस बात के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है कि उन्होंने 'कारा' में मलयालम अभिनेत्री ममिता बैजू को कास्ट किया। इस मामले पर ममिता बैजू ने अपनी राय रखी है।

बातचीत में, जब ममिता से तमिल फिल्मों की कास्टिंग को लेकर चल रही चर्चा पर उनकी राय पूछी गई, तो उन्होंने कहा, 'जब मुझे यह मौका मिला, तो मैंने इसे लपक लिया। एक अभिनेत्री के तौर पर, मैं हमेशा कुछ नया आजमाने और अपनी अभिनय क्षमता को और अधिक निखारने की कोशिश करती हूं। मुझे ऐसा करने का मौका मिल रहा है और मैं इसे कर रही हूं। इसलिए, यह सबसे पहले फिल्ममेकर की पसंद होती है, जो मुझे किसी खास किरदार में देखते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। मैं काम करना चाहती हूं और अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे यह मौका मिल रहा है, इसलिए यह बिल्कुल भी अनुचित नहीं है। अगर मैं उस किरदार में पूरी तरह से ढल पाती हूं और दर्शकों को विश्वसनीय लगती हूं, तो यह मेरी उपलब्धि है। अगर कोई किरदार ग्रामीण पृष्ठभूमि का है और मैं उसमें पूरी तरह से फिट बैठती हूं, तो मेरे लिए यह उपहार है। इससे भाषा की सीमाएं टूटती हैं। यह मेरा पेशा है, और अपनी सीमाओं का विस्तार करना मेरी जिम्मेदारी है।' 'कारा' में धनुष और ममिता के अलावा जयराम, करुणास, सूरज वेंजारामूडु और के.एस. रविकुमार जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी करता है। इसके निर्देशक विग्नेश राजा हैं।

धनुष के बारे में बोली ममिता

ममिता बैजू ने धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और बताया कि वह एक समर्पित अभिनेता हैं, जो अपने किरदार पर बहुत कड़ी मेहनत करते हैं।

ओटीटी, थिएटर फिल्म तीनों मीडियम के अपने अपने चैलेंज हैं

साई ताम्हणकर इन दिनों वेब सीरीज 'मटका किंग' में नजर आ रही हैं, जो 60 के दशक के बैकग्राउंड पर आधारित एक दिलचस्प कहानी है। इस प्रोजेक्ट में वे 'बरखा' जैसे दमदार किरदार में दिखाई दी हैं। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत में अभिनेत्री ने अपने किरदार, इंडस्ट्री में टाइपकास्टिंग, पैन इंडिया ट्रेंड, पर्सनल लाइफ और एक्टिंग के बदलते दौर और अपनी शादी पर खुलकर बात की।

'मैं तो खुशी से उछल पड़ी थी'

कुछ साल पहले मैंने एक फाउंडेशन के लिए एक गाने पर काम किया था, जिसे नागराज मुंगले ने डायरेक्ट किया था। उस दौरान हमारी थोड़ी सी बातचीत हुई थी और तभी से मेरे मन में कहीं न कहीं ये इच्छा थी कि मुझे उनके साथ फिर से काम करना है। जब मुझे पता चला कि 'मटका किंग' को वही डायरेक्ट कर रहे हैं, तो मेरे पास 'ना' कहने की कोई वजह ही नहीं थी। मुझे लगा कि यह एक बेहतरीन कोलैबोरेशन होगा, अच्छे कलाकार और पूरी टीम के साथ काम करने का मौका मिलेगा। कुछ प्रोजेक्ट्स ऐसे होते हैं, जिनके बारे में आपको पहले से ही भरोसा होता है कि यह प्रोडक्शन हाउस कुछ दिलचस्प ही बनाएगा। अगर आप अदिति रॉय के काम को देखें, तो उन्होंने हमेशा अलग और इंट्रेस्टिंग प्रोजेक्ट्स किए हैं। सच कहूं तो मेरा रिएक्शन यही था, मैं तो खुशी से उछल पड़ी थी।

'50-90 के दौर में जीना चाहूंगी'

इस सीरीज में हमने 60 'ह्य का दौर दिखाया है। मुझे ऐसा लगता है कि उस दौर में लोग जिंदगी को ज्यादा एंजॉय करते थे। लाइफ थोड़ी ज्यादा लेड बैक थी, लेकिन साथ ही उसकी क्वालिटी भी बहुत अच्छी थी। वो दौर अपने आप में काफी फैशनेबल भी था। कॉस्ट्यूम्स को देखकर मैं सच में हैरान रह गई थी, लोग वेलवेट जैसे फैब्रिक्स पहनते थे, जो बहुत ही रॉयल और एलिगेंट लगता था। अगर कुछ साल पहले मुझसे पूछा जाता कि मैं किस दौर में टेलिपोर्ट करना चाहूंगी, तो शायद मैं किसी ऐतिहासिक युग का नाम लेती। लेकिन अब अगर आप मुझसे पूछेंगे, तो मैं कहूंगी कि मैं 50 के दशक से 90 के दशक के बीच के दौर में वापस जाना चाहूंगी। वो समय मुझे बेहद खूबसूरत, स्टाइलिश और दिल के करीब लगता है। आजकल एक्टर की लाइफ पहले से ज्यादा चैलेंजिंग हो गई है, क्योंकि हम एक साथ कई तरह के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे होते हैं। जैसे मेरे साथ अक्सर ऐसा होता है कि मैं एक मराठी फिल्म कर रही होती हूं और साथ ही कोई दूसरा प्रोजेक्ट भी चल रहा होता है। कई बार डेट्स भी बिखरी हुई होती हैं, तो आपको बीच बीच में किसी प्रोजेक्ट से जुड़ना पड़ता है। ऐसे में एक्टर के तौर पर फिर से उसी किरदार में वापस जाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए तो हर नए सेट के पहले चार से पांच दिन काफी रेस्टलेस होते हैं। मुझे लगता है कि यही मेरा प्रोसेस है, धीरे-धीरे उस किरदार में ढलना। अगर तुलना करें, तो वेब सीरीज में यह थोड़ा ज्यादा मुश्किल होता है, क्योंकि आपको बीच में ब्रेक लेकर फिर वापस उसी कैरेक्टर में आना पड़ता है। वहीं फिल्म में आप लगातार उस किरदार के साथ रहते हैं, हर दिन शूट करते हुए उसी फ्लो में बने रहते हैं। थिएटर की बात करें, तो वह बिल्कुल अलग दुनिया है। वहां सब कुछ लाइव होता है और एक अलग तरह की एनर्जी और अनुशासन की जरूरत होती है।

'टाइपकास्टिंग से बचने के लिए ना कहना पड़ता है'

टाइपकास्टिंग से बचना बहुत मुश्किल रास्ता है। इसके लिए एक एक्टर को अक्सर इंतजार करना पड़ता है कि उसे कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण ऑफर किया जाए। मैं इंडस्ट्री के दूसरे पक्ष को भी समझती हूं, जब कोई एक्टर किसी खास तरह के रोल में खुद को साबित कर देता है, तो उसे उसी तरह के रोल में कास्ट करना एक सेफ बेट माना जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अब थोड़ा रिस्क लेने की जरूरत है। एक्टर्स को रीइमैजिन करना चाहिए, उन्हें नए नजरिए से देखना चाहिए और अलग अलग तरह के किरदारों में मौका देना चाहिए। मैंने खुद भी टाइपकास्टिंग का अनुभव किया है। ऐसे में इससे बचने का एक ही तरीका है, एक जैसे रोल्स को ना कहना।

पब्लिक फिगर बनने के साथ पर्सनल स्पेस कम हो जाता है

ऐसे मोमेंट्स तो लगभग रोज ही आते हैं, खासकर सोशल मीडिया पर। हम कई बार कह चुके हैं कि एक सीमा होनी चाहिए, लेकिन सच यह है कि आप दूसरों के एक्शन्स को कंट्रोल नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि जब आप पब्लिक फिगर बनते हैं, तो आपको यह समझना पड़ता है कि आपकी पर्सनल स्पेस काफी लिमिटेड हो जाएगी। यह एक तरह की ट्रेनिंग होती है, जो धीरे धीरे आप सीख जाते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।